भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी - 12

ब्रिटेन और जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों - 12

अमेरिकी दावा, भारत ने रूस से तेल का आयात कम करना शुरू किया - 13

रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में - 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
22.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.13
सूर्यास्त 05.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 64, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 लोग जिंदा जले

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी।

हादसे के बाद जली बस।

पड़ोसी ने मासूम की हत्या कर शव पांडु नदी में फेंका

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने का इंतजार, गला दबाकर हत्या किए जाने की जताई गई संभावना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बर्रा के हरदेव नगर में शाम को घर के बाहर खेल रहा था बच्चा
- सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर सामने आया चेहरा, तलाश में पुलिस

अमृत विचार। शहर के बर्रा इलाके में शुक्रवार की शाम एक छह साल के मासूम बच्चे का पड़ोसी युवक ने अपहरण कर हत्या कर दी और शव को घर से एक किलोमीटर दूर पांडु नदी में फेंक दिया। जिस समय बच्चे का अपहरण किया गया, उस वक्त वह घर के बाहर खेल रहा था। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पड़ोसी किराएदार का चेहरा सामने आया। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

कानपुर दक्षिण के बर्रा थाना क्षेत्र के हरदेव नगर में माखन सोनखर पत्नी ममता और बेटे आयुष (6) के साथ घर में थे। पिता के अनुसार शुक्रवार की शाम को बेटा आयुष घर के बाहर खेल रहा था। उन्होंने उसे आवाज देकर घर के अंदर बुलाया तो उसने कुछ देर में आने की बात कही। इसके बाद जब काफी देर तक बेटा घर में नहीं पहुंचा तो खोजबीन शुरू की गई, लेकिन उसका कहीं कुछ भी पता नहीं चला। मोहल्ले में सुरसुरी फैल गई। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना के बाद पूरे इलाके में खोजबीन शुरू की गई। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके बाद देर रात आयुष की लाश पांडु नदी में बरामद हुई। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ सोनकर ने बताया कि शुक्रवार की देर शाम बच्चे के गायब होने की सूचना मिली थी। इस पर बर्रा थाना प्रभारी ने तीन पुलिस टीमों का गठन खोजबीन शुरू कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो आयुष पड़ोसी शिवम सक्सेना नामक युवक के साथ जाते हुए दिखा, लेकिन लौटते समय शिवम अकेला दिखा। सर्च ऑपरेशन के दौरान बच्चे की लाश घर से एक किलोमीटर दूर पांडु नदी में मिली। इसके बाद बच्चे के परिजनों को सूचना दी गई।

एक मकान में रहते दोनों परिवार

डीसीपी दीपेंद्र नाथ सोनकर ने बताया कि बच्चे आयुष का परिवार और शिवम का परिवार एक ही मकान में किराए पर रहते हैं। दोनों परिवारों के बीच काफी मतभेद की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि बच्चे की मां पर आरोपी शिवम गंदी नजर रखता था। प्रारंभिक जांच-पड़ताल में यह भी एक कारण सामने आ रहा है। सारे तथ्यों की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद हत्या के सही कारणों का पता चल पाएगा। आरोपी की तलाश की जा रही है। फिलहाल गला दबाकर हत्या किए जाने की संभावना है।

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचारः मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया। अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

तानाशाही भरा फरमान

आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

> मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।
> **- कुमार रणविजय सिंह,** एसपी सिटी मुरादाबाद

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद, राजधानी को दहलाने की थी साजिश

दिल्ली और मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है। आतंकी राष्ट्रीय राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दोनों त्योहारी सीजन के दौरान दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमले करने की तैयारी में थे। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। दोनों आईएसआईएस का प्रचार करने और संपादित जिहादी वीडियो प्रसारित करके युवाओं की भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया पर एक नेटवर्क चला रहे थे।

'अबकी बार मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का शुक्रवार को मुंबई में निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवाड्र्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

सुखद अहसास | मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा- इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उड़ान को तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काउंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है। जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा। अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

मोदी-योगी करेंगे शुभारंभ, फिर 45 दिन बाद शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके बाद ही शुभारंभ की नई संभावित तिथि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक घोषित होने का अनुमान है।

यूपीपीएससी के 315 और विशेषज्ञ कार्य से मुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चयन प्रक्रिया से जुड़े गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इसके लिए आयोग ने नियमित समीक्षा के दौरान पिछले चार वर्षों में कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबन्धित लगभग 450 विशेषज्ञों को आयोग के उक्त कार्य से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया गया है।

यह जानकारी आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पाण्डेय ने शुक्रवार को दी, उन्होंने बताया कि गोपनीय कार्यों के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाती है, उक्त क्रम में हाल ही में विभिन्न विषयों के 315 विशेषज्ञों को पुनः सत्यनिष्ठा, गुणधर्मिता और आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न करने पर गोपनीय कार्यों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने विशेषज्ञों के कार्य की गुणवत्ता की निरंतर समीक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की है। आयोग चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी को सौंपी क्षेत्रवार जनसांख्यिकी रिपोर्ट

भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनसांख्यिकी असंतुलन का रोडमैप देते हुए नीति लागू करने का दिया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिपोर्ट में यूपी की सामाजिक शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन

अमृत विचार : भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में जनसंख्या संरचना के असंतुलन और विकास के क्षेत्रवार अंतर को देखते हुए क्षेत्रवार जनसांख्यिकीय रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदेश के सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन करते हुए सुझाव दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण का समाधान किसी कानूनी दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता से संभव है।

लखनऊ के सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपी अपनी सात पेज की रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि मुस्लिम बहुल देशों बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान, ट्यूनीशिया, तुर्की और मलेशिया ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और धार्मिक समुदायों की भागीदारी के जरिये जनसंख्या स्थिरीकरण में उल्लेखनीय सफलता पाई है। डॉ. सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविध राज्य में भी यह मॉडल प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह नीति सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास के समान अवसर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को इस नीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। सिंह ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी यूपी के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली मंडल सनेत पूरब के आजमगढ़ और मऊ जिलों के कई ब्लाकों में मुस्लिम जनसंख्या 60 फीसदी से अधिक होने का जिक्र भी किया है।

मुख्य सिफारिशें

- लड़कियों की शिक्षा और विवाह की औसत आयु में वृद्धि पर बल
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भनिरोधक साधनों की सुलभ उपलब्धता
- धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से संवाद
- महिला स्वावलंबन के लिए माइक्रोफाइनेंस और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार
- जिला स्तर पर 'जनसंख्या डैशबोर्ड' और डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम

सुझावों पर योगी ने दिया कार्ययोजना बनाने का निर्देश

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के विस्तार को स्थायी जनसंख्या संतुलन के लिए अहम माना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर इसके सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए एक संतुलित, संवैधानिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर आधारित जनसांख्यिकीय नीति की रूपरेखा मानी जा रही है। नीति-निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इसे राज्य जनसंख्या नीति 2025 के प्रारूप में शामिल किया जा सकता है।

जिला स्तर पर बने जनसंख्या डैशबोर्ड

रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक 'जनसंख्या डैशबोर्ड' बनाया जाए, जो कुल प्रजनन दर, महिला शिक्षा दर, बाल विवाह और पलायन जैसे मानकों की नियमित निगरानी करे। साथ ही, विभिन्न धर्मों के धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 'जिम्मेदार अभिभावकता' का संदेश समाज में प्रसारित किया जाए। रिपोर्ट में इस नीति को स्वैच्छिक, अधिकार-आधारित और सामाजिक सहमति पर आधारित बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

नीट यूजी में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुनः संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। तत्पश्चात अगले दिन 30 अक्टूबर से संबन्धित कॉलेज में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी, जिसे 5 नवंबर 2025 तक पूर्ण करनी होगी।

संभल के मनोकामना मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : संभल स्थित मनोकामना मंदिर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में दिखेगा, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) एक करोड़ 71 लाख रुपये से इसका विकास कराएगा। जिले के प्राचीन तीर्थस्थल और कुओं को संवारा जाएगा। इससे संभल एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संभल के कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उक्त क्रम में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के समीप पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

आजम खान भी होंगे सपा के स्टार प्रचारक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को सौंपी गयी 20 प्रचारकों की सूची में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सहासचिव आजम खान भी शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा भेजी गयी सूची में अखिलेश समेत कुल 14 सांसदों को प्रमुखता दी गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव व ओम प्रकाश सिंह, सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष काशीनाथ दव व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी को शामिल किया गया है। सांसदों में अफजाल अंसारी, अवधेश प्रसाद, बाबू सिंह कुशवाहा, नरेश उत्तम पटेल, रमाशंकर विद्यार्थी राजभर, लाल जी वर्मा, छोटेलाल खरवार, राजीव राय, सनातन पाण्डेय, इकरा हसन और प्रिया सरोज को शामिल किया गया है।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे
- औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी। अवशेष राशि को 1 अक्टूबर 2026 से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए, उक्त अवधि की अवशेष राशि का 10% कर्मचारी के टियर-1 पेंशन खाते में और 14% राज्य सरकार के योगदान के रूप में जमा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत

सरकार ने कहा है कि जो अधिकारी या कर्मचारी शासनादेश जारी होने की तिथि से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अगले छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें देय महंगाई भते की समस्त बकाया राशि नकद रूप में दी जाएगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

मिलावटखोरी के खिलाफ जांच में आएगी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई प्रयोगशालाएं की जा रहीं स्थापित, हर वर्ष लगभग 24 हजार नमूनों की होगी जांच

अमृत विचार : दीपावली त्योहार के दौरान खुलकर सामने आ गया कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराधिक गैंग और उसके माफिया भले ठंडे पड़ गए हो लेकिन खाद्यपदार्थों के मिलावटखोर अब भी सक्रिय हैं। ऐसे मिलावटखोर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्योहारों के मौसम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ एक कड़ा अभियान चलाया गया। इससे पहले भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका था कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अब मिलावटखोरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करेगा।

खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच में तेजी लाने के लिए कानपुर अयोध्या सहारनपुर और अलीगढ़ में नई प्रयोगशालाएं शुरू हो रही हैं। इन प्रयोगशालाओं से हर साल लगभग 24 हजार नमूनों की जांच की जाएगी। राज्य सरकार सभी मंडल मुख्यालयों पर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रयास कर रही है। इन नई प्रयोगशालाओं के खुलने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी।

भीड़ प्रबंधन के हों पुख्ता इंतजाम

मुख्य सचिव ने की छठ पूजा व पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पूजा एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने इस दौरान कहा कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों और जलस्रोतों का जल स्वच्छ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, और चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे। मुख्य सचिव ने आतिशबाजी को आमजन से दूर रखने और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की हिदायत दी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छठ पर्व की तैयारियों के दौरान पिछली घटनाओं का विश्लेषण कर लिया जाए ताकि अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने छेड़खानी और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड को वर्दी और सादी वर्दी में तैनात करने के निर्देश दिए।

1 व 2 नवंबर को दस जिलों में होगी भर्ती परीक्षा

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए पद के 1129 पदों की भर्ती परीक्षा 1 नवम्बर को और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 921 पदों की भर्ती परीक्षा 2 नवम्बर को प्रदेश के 10 जिलों- आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष कर्मियों की तैनाती की जाए। अभ्यर्थियों को केवल आईकार्ड, एडमिट कार्ड और पेन के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति न दी जाए।

बिहार चुनाव में आकाश की क्षमता परखेगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी से युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी पार्टी

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में आकाश आनंद की क्षमता को परखेगी। आकाश मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। पार्टी प्रमुख मायावती को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में अब आकाश के सहारे पार्टी, युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी है। बिहार विधानसभा चुनाव में आकाश भी बसपा के एक स्टार प्रचारक हैं। एक तरह से उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आकाश के लिए बिहार चुनाव सेमीफाइनल सरीखा होने वाला है।

दरअसल, माना जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के भविष्य को मजबूत करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। मायावती ने पिछले दिनों पार्टी पदाधिकारियों की लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकें बुलाईं। इन बैठकों में मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद भी मौजूद रहे। मायावती ने पदाधिकारियों से साफ निर्देश दिए कि जैसे उन्होंने मेरा साथ दिया है, वैसे ही अब आकाश का भी साथ दें। यह बयान बसपा समर्थकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्रवाक्य माना जा रहा है।

असंतुलन | लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

प्रदेश का पूर्वी हिस्सा विकास की दौड़ में सबसे पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 विभिन्न मानकों पर पूर्वी यूपी के 28 जिलों का किया अध्ययन

अमृत विचार : विकास के क्षेत्रीय असंतुलन से देश के कई हिस्सें प्रभावित हैं। आधारभूत संरचना का असमान वितरण इसका सबसे बड़ा कारण रहा है। जिसे दूर करने के वादे-इरादे के साथ कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन हालात बदलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को उजागर किया है कि उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा आज भी मध्य उत्तर प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा है। विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा ने अपने शोध में यह दावा किया है।

विश्वविद्यालय के दोनों शोधकर्ताओं ने 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों जैसे कि आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचा के आधार पर 28 जिलों का समग्र विकास सूचकांक तैयार किया है। भारतीय अर्थशास्त्र एवं विकास पत्रिका में प्रकाशित एक ताजा शोध में यह सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर आज भी राज्य के अति पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली की पहुंच जीवन स्तर उठाने की कुंजी हैं।

व्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का किया प्रयोग

अध्ययन में व्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का इस्तेमाल कर हर जिले को विकास स्कोर दिया गया है। शोध में यह भी जांचा गया कि किन क्षेत्रों का समग्र विकास में सबसे ज्यादा योगदान है। शोध में पाया गया कि औद्योगिक विकास का असर सबसे कम है, क्योंकि क्षेत्र में निवेश और कारखानों की भारी कमी है।

शोध की खास बातें

- श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच अति पिछड़े ज़िले पाए गए
- सिद्धार्थनगर ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया
- सभी जिलों में बुनियादी ढांचागत विकास व औद्योगिक विकास बेहद कमजोर
- कृषि और रोजगार के स्कोर सबसे कम
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मानसून पर पूरी तरह निर्भर

क्या है उपाय

शोध का समाधानपरक निष्कर्ष है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों में बड़े सार्वजनिक निवेश की तत्काल जरूरत है, ताकि क्षेत्र को "निम्न-संतुलन जाल" से बाहर निकाला जा सके। "एक जिला एक उद्योग" जैसी योजनाओं का विस्तार किया जाए, ताकि हर जिला किसी उत्पादक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सके, रोजगार बढ़े और निवेश आकर्षित हो। बुनियादी ढांचे, कृषि और उद्योग में समन्वित व संतुलित विकास ही एकमात्र रास्ता है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है।

डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तकनीक और सुशासन के संगम से बन रहा नया मॉडल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति अब डिजिटल रूप में नई पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन कर्मयोगी' को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस पहल से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का नया आयाम जुड़ रहा है। समाज कल्याण विभाग इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक विभाग के 3,900 अधिकारी, संविदाकर्मी और शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल से जुड़ चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 ऑनलाइन कोर्स पूरे किए, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का डिजिटल प्रशिक्षण शामिल है।

इनमें से 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स पूरा किया, जबकि 2,289 ने तीन या उससे अधिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह पहल हर सरकारी कर्मचारी को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिशन कर्मयोगी के पाठ्यक्रमों में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे कोर्स सरकारी प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बना रहे हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यसंस्कृति के लिए योगा आदि विषय सुनिश्चित कर रहे हैं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मिशन कर्मयोगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साझा सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य है कि शासन को पेपरलेस, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना।

न्यूज ब्रीफ

एएसपी करेंगे गुम युवक के मामले की विवेचना

कानपुर देहात। एएसपी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि थाना शिवली में केस नंबर 253/25 धारा 365 भारतीय दंड विधान में पंजीकृत हुआ था। इसमें संदीप 33 वर्ष पुत्र किशनपाल सिंह निवासी ग्राम नौबस्ता भीखर थाना शिवली के 19 अक्टूबर को गायब होने की जानकारी दी गई है। बताया गया कि संदीप भाऊपुर बाजार से गुम हुआ था। परिजनों का कहना था कि संदीप का उपचार मानसिक महेंद्र हास्पिटल कानपुर नगर से हुआ था। वह अभी तक अपने घर पर वापस नहीं लौटा है ।मामले की विवेचना उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा की जा रही है।

पत्नी की स्मृति में बनवाया मंदिर

मूसानगर। मूसानगर क्षेत्र के ग्राम चांदपुर में बोधी लाल यादव ने अपनी पत्नी रामप्यारी की स्मृति में मंदिर का निर्माण कराया है। मंदिर में मूर्ति स्थापना के लिए शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कई गांवों से होते हुए यात्रा मां मुक्तेश्वरी मंदिर तक गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व सांसद राजारामपाल, समाजवादी पार्टी के प्रांतीय नेता सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सेन यादव सहित लाखन सिंह यादव, स्वतंत्र पासवान, मनोज यादव, मुन्ना लाल यादव, किशन कुमार गौतम, रामशंकर प्रजापति, मोहित गुप्ता, मानसिंह यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

अश्लील हरकत में मुकदमा दर्ज

राजपुर। महिला के साथ अश्लील हरकतें व अश्लील गाने के मामले में थाना पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आश्वासन दिलाया कि जांच में जो भी दोषी मिलेगा उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी महिला ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके गांव का रहने बाला कुलदीप उसे देखकर आए दिन अश्लील इशारे व अश्लील गाने गाता है। गुरुवार को सुबह वह खेतों की तरफ जा रही थी। इसी दौरान वह अश्लील इशारे करने लगा। मना करने पर वह गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया ।थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

बैठक में खुद आएं, मातहतों को कतई न भेजें अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- वन ट्रिलियन डॉलर सेल की अहम बैठक में प्रमुख अफसरों की गैर मौजूदगी पर डीएम खफा
- आंकड़ों में विसंगति देख लगाई अफसरों को फटकार, रवैया दुरूस्त कर लेने की हिदायत

अमृत विचारः शुक्रवार को मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में जिला स्तरीय ओटीडी (वन ट्रिलियन डॉलर) सेल की बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान जिले के आर्थिक विकास से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में हुई प्रगति, उत्पादन, निवेश और रोजगार से जुड़े आंकड़ों की समीक्षा की गई। प्रमुख अधिकारियों की अनुपस्थिति पर डीएम खासे नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि को भेजने की परंपरा बंद होनी चाहिए।

ओटीडी सेल की बैठक में डीएम ने की आंकड़ों की समीक्षा। अमृत विचार

बैठक के दौरान बताया गया कि वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। प्राथमिक क्षेत्र में कृषि उत्पादन में वृद्धि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन तथा खाद्यान्न की उपज में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त आधार मिला है। द्वितीयक क्षेत्र में औद्योगिक उत्पादन, निर्माण कार्यों, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है, जबकि तृतीयक क्षेत्र में व्यापार, परिवहन, संचार, वित्तीय सेवाएं एवं पर्यटन के क्षेत्र में भी वृद्धि दर्ज की गई है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी कपिल सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत किए गए आर्थिक आंकड़ों में पाई गई विसंगतियों पर कड़ा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास रिपोर्ट सरकार की नीति निर्धारण प्रक्रिया की आधारशिला होती है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि अस्वीकार्य है।

उन्होंने तीन कार्यदिवसों के भीतर सभी विभागों को अपने आंकड़ों की पुनः समीक्षा कर संशोधित एवं प्रमाणिक डेटा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में संशोधित रिपोर्ट प्राप्त नहीं होती, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

जिलाधिकारी ने उपायुक्त राज्य कर एवं सहायक निरीक्षक कारखाना की बैठक में अनुपस्थिति और उनके विभागीय आंकड़ों में पाई गई विसंगति को गंभीरता से लेते हुए कहा कि यह शासन के कार्यों में शिथिलता का द्योतक है। उन्होंने निर्देशित किया कि इन अधिकारियों के विरुद्ध शासन को प्रतिकूल टिप्पणी सहित पत्र भेजा जाए, ताकि ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो। कई अफसरों की गैर मौजूदगी पर नाराज डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बैठक में अधिकारी स्वयं उपस्थित रहें, अपने अधीनस्थों को न भेजें।

बाबा नागेंद्र ने गंगा नगर के गोलू को दी पटखनी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः उसरी प्राथमिक विद्यालय मैदान में दो दिवसीय दंगल का समापन हुआ। कई अच्छी कुश्तियां हुई। अयोध्या के बाबा नागेंद्र दास व कुरुक्षेत्र हरियाणा के राहुल पांडेय की कुश्ती बराबरी पर छूटी। दंगल के समापन पर कांटे की हुई कुश्ती में बाबा नागेंद्र दास हनुमान गढी अयोध्या ने गोलू गंगानगर राजस्थान को पटखनी देकर 21हजार का इनाम जीता।

दंगल में काली हरियाणा ने टूंडला के राहुल को पटखनी देकर इनाम जीता। कांटे की कुश्ती काली पहलवान हरियाणा व राहुल पहलवान टूडला के बीच हुई जो बराबर पर छूटी। इस कुश्ती ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। इसी प्रकार उसरी के प्रेम ने रानाइटहा के राघव को चित करके इनाम जीता।

रसूलाबाद के राजा ने झींझक के वीर को पटखनी देकर जीत हासिल की। इसी प्रकार उसरी के रामजीवन ने कन्नौज के नैतिक को चित्त करके व सुनाथा के साजन ने ककरदही के हर्ष को पटक कर इनाम जीता। अन्य कुश्तियों में मनावा के गोलू और कन्नौज के राज की कुश्ती बराबरी पर छूटी । कुछ इसी प्रकार हमीरपुर के वीरेंद्र और कन्नौज के गौरव बराबरी पर रहे। कन्नौज के भूरा और अकबरपुर के भूरा के बीच काफी देर तक चली कुश्ती अंततः बराबरी पर रही। वहीं रामपुर के हैप्पी और झींझक के निशांत की कुश्ती भी बराबरी पर छूटी।

नशेबाजी का विरोध किया तो चाची को पीटकर मार डाला

मंगलपुर थाना क्षेत्र के गांव जसापुर में हुई घटना

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचार। जसापुर गांव में गुरुवार की देर रात गाली गलौज का विरोध करने पर सगे भतीजे ने अपनी चाची की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या का आरोपी घटना के बाद फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में लगी है।

मृतका मोहनी।

मंगलपुर थाना क्षेत्र के जसापुर गांव निवासी राजू अपनी पत्नी मोहिनी के साथ जयपुर में रहते थे। दीपावली का त्योहार मनाने के लिए दोनों गांव आए थे। गुरुवार की रात राजू का सगा भतीजा कृष्णा शराब के नशे में घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। मोहिनी ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मोहिली की हत्या के बाद गुमसुम बैठे परिजन। अमृत विचार

- पति के साथ जयपुर में रहती थी मोहिनी, त्योहार पर आई थी गांव
- भतीजे को गाली गलौज से रोका तो हो गया हमलावर

घटना की जानकारी मिलते ही मंगलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। शुक्रवार सुबह क्षेत्राधिकारी डेरापुर राजीव सिरोही ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

वृद्ध की पानी भरे गड्ढे में गिरकर मौत

कानपुर देहात । गनीपुर कोतवाली क्षेत्र में हाईवे के किनारे पानी भरे गड्ढे में गिरे साइकिल सवार वृद्ध की मौत हो गई। बचने की आस में परिजनों द्वारा उसें सीएचसी लाया गया। परीक्षण के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वृद्ध की मौत के बाद परिजनों में हाहाकार मच गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इस कारण पुलिस ने शव उनके सुपुर्द कर दिया।

पुखरायां कस्बा के शिवाजी नगर मोहल्ला निवासी मोनू चक ने बताया कि उसके पिता सोनेलाल पुत्र घसीटेलाल (65 वर्ष) गुरुवार शाम को साइकिल पर सवार होकर दुकान के सामान की खरीदारी के लिए गए हुए थे। देर शाम तक नहीं लौटे। काफी खोजबीन करने पर भी उनके बारे में जानकारी नहीं मिली। देर रात जानकारी मिली कि झांसी-कानपुर हाईवे के किनारे पानी भरे गड्ढे में कोई गिरा है। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तो अवाक रह गए। वह सोनेलाल थे। परिजन अर्द्धबेहोशी की हालत में उन्हें तुरंत सीएचसी लाए। यहां ड्यूटी पर तैनात डा अनूप कुमार ने जांच की। इसके बाद सोनेलाल को मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय माती की सड़क दुरुस्त कराने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय माती में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की कार्रवाई से पहले प्राचार्य ने डीएम का स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने हारमोनियम और तबले की मनमोहक धुनों के साथ स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्रबंध समिति की बैठक के दौरान डीएम ने दिए अहम निर्देश। अमृत विचार

- बच्चों के शैक्षिक कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की दी हिदायत

जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलन कर बैठक की शुरूआत की गई। विद्यालय प्रबंध समिति के चेयरमैन, सदस्य और अभिभावकों द्वारा विद्यालय में शैक्षणिक विकास पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत सुझाव और विचार जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न शैक्षिक एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद विद्यालय प्रबंध समिति की पिछली बैठक में अनुमोदित होने वाले कार्यों को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के साथ-साथ अभिभावकों अन्य जनों की सुविधा हेतु विद्यालय में महिला-पुरुष अलग अलग शौचालय, पेयजल व्यवस्था, सुंदरीकरण, विद्यालय में रंगाई पुताई, मैनपॉवर, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय आदि के संबंध जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विद्यालय में विद्युत संबंधी समस्याओं को शीघ्र ठीक करने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी प्रकार बच्चों के आवागमन में क्षतिग्रस्त मार्ग के चलते हो रही कठिनाइयों को लेकर मार्ग को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय में बच्चों के लिए बेहतर देखभाल की जाए। उनके शैक्षिक कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। बच्चों को एक स्वस्थ माहौल में शिक्षा ग्रहण करने का मौका दिया जाए। सीएमओ डा एके सिंह, प्राचार्य केवी एएच अंसारी, प्रधानाचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय आनंद मिश्र, प्रबंध समिति के सदस्य एडवोकेट विपिन चंद्र दीक्षित मौजूद रहे।

दहेज लेने और देने, दोनों पर कैद और जुर्माने का प्रावधान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी की देखरेख में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन हेतु संचालित मिशन शक्ति 5.0 के तहत मलासा ब्लाक के गांव मुरलीपुर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें लड़कियों और महिलाओं से जुड़ी अहम जानकारियां दी गई। साथ ही आकस्मिक हालात के लिए जरूरी हेल्प लाइन नंबर भी बताए गए।

कार्यक्रम हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत की महिलाओं-पुरुषों को दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा और महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन आदि के बारे में जानकारी दी। इसके साथ दहेज निषेध अधिनियम 1961 के बारे में भी बताया गया। इस अधिनियम के अनुसार दहेज लेनदेन या इसके लेनदेन में सहयोग करने पर 5 वर्ष की कैद और 15000 रुपए जुर्माना का प्रावधान है। दहेज एक सामाजिक समस्या है, जिसका उन्मूलन तभी हो सकता है, जब हम संकल्प पूर्वक इसके विरुद्ध कदम उठाएं। दहेज लेना एवं देना अपराध की श्रेणी में है।

आग लगने से लाखों का सामान व नकदी खाक

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः रनियां थाना क्षेत्र के उमरन गांव के पास बीती रात एक परचून की दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। पलक झपकते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आग की लपटें आसमान छूने लगीं। घटना की जानकारी दुकान मालिक को मिली तो वो परिजनों के साथ बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंचा। वहां का नजारा देखने के बाद महिलाएं बिलख उठीं। सूचना पर पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

आग पर काबू पाने की मशक्कत में लगे दमकल कर्मी। अमृत विचार

रनियां थाना क्षेत्र के उमरन गांव सभा के मजरे मद्दीपुरवा गांव निवासी जगदीश यादव वर्तमान समय में नुर्रा गांव में मकान बनाकर रह रहे हैं। जरैला कीरतपुर मोड़ पर हाईवे किनारे उनकी एक अंजली किराना एवं जनरल स्टोर के नाम से थोक व फुटकर बिक्री की दुकान है। दुकान को उनका बेटा अनुज संभालता है। जगदीश के मुताबिक गुरुवार की रात करीब साढ़े आठ बजे अनुज दुकान बंद करके घर लौट आया। लगभग साढ़े दस आस-पास के लोगों ने फोन पर बताया कि उनकी दुकान में आग लग गई है। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे।

घटना की जानकारी पर माती फायर स्टेशन प्रभारी कपिल सिंह तथा इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। जगदीश ने बताया कि आगजनी में दुकान में रखा लगभग दस लाख रुपए का सामान व करीब पचहत्तर हजार रुपए की नगदी जलकर राख हो गई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह घटना की लिखित सूचना रनियां थाने में दी गई है। इस संबंध में एफएसओ कपिल सिंह ने बताया कि शार्ट सर्किट से आग लगी है।

आम के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचारः सिकंदरा थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव मे शुक्रवार की सुबह युवक की संदेह जनक हालात में मौत हो गई। उसका शव घर से दूर आम के पेड़ पर लटका मिला। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। घटना को लेकर इलाके में सनसनी रही। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

ओमजी (फाइल फोटो)।

- पिता ने बताया कि रात को खाना खा-पीकर लेटा था
- कैसे, कब और क्यों बाहर गया, इसका नहीं पता
- मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने की जांच

जगन्नाथपुर गांव के रजोल तिवारी ने बताया कि दो पुत्रों में छोटा पुत्र ओमजी तिवारी (20) गुरुवार की देर शाम को खाना पीना करके घर में चारपाई पर लेट गया। इसके बाद क्या हुआ कुछ पता नहीं। किस समय वह बाहर चला गया। यह पता नहीं चल सका। शुक्रवार की सुबह करीब पांच बजे पड़ोसियों ने बताया कि ओम जी का शव घर से दूर एक आम के पेड़ पर लटका है। इसकी जानकारी लगते ही इलाके में सनसनी सी फैल गई। ओम जी की मौत की सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनो पुलिस को घटना के बारे में जानकारी दी। मौके पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। इसके बादा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रजोल तिवारी ने बताया कि बड़ा पुत्र दिल्ली में एक प्राइवेट कंपनी मे नौकरी करता है। वह अपने परिवार के साथ दिल्ली में ही रहता है। तीन पुत्रियों में दो पुत्रियों का विवाह हो चुका है। छोटी पुत्री राधा (16) व मृतक छोटा पुत्र साथ रहते थे। सिकंदरा थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है परिजनो से तहरीर मिलने पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आक्रोश रनियां के आबादी क्षेत्र में हाईवे पर अक्सर हो रहे हादसे, हंगामे के वक्त आश्वासन दे उल्लू सीधा करते अधिकारी

पीएमओ तक गुहार के बाद भी नहीं बना एलीवेटेड पुल

संवाददाता,रनियां

अमृत विचारः रनियां क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों में हो रहीं अनगिनत मौतों के बाद भी एनएचएआई की नींद टूटती नजर नहीं आ रही है। हादसों के बाद शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए जल्द ही यहां ओवरब्रिज निर्माण का भरोसा दिलाने वाले जिम्मेदार भी कुछ दिनों बाद सब-कुछ भूलकर दूसरे कामों में व्यस्त हो जाते हैं। इस कारण हादसे बदस्तूर जारी हैं। स्थानीय लोगों ने आबादी क्षेत्र में ओवरब्रिज के निर्माण की पुरजोर मांग की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में रोष है।

कानपुर देहात जिले से गुजरने वाले एन एच 19 राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रनियां कस्बे में पिछले आठ सालों से यहां एक ओवरब्रिज,

पुल न होने से इस तरह जान जोखिम में डालकर हाईवे के दूसरी तरफ जाते लोग। अमृत विचार

एलीवेटेड पुल निर्माण को लेकर स्थानीय लोग पीएमओ तक अपनी गुहार लगा चुके हैं। पीएमओ के निर्देश पर एनएचएआई कानपुर डिवीजन के तमाम अधिकारियों ने यहां स्थलीय निरीक्षण किया और मंटोरा ओवरब्रिज से मयूर ओवरब्रिज तक रनियां आबादी क्षेत्र को हादसों की दृष्टि से सबसे ज्यादा खतरनाक क्षेत्र मानते हुए यहां एलीवेटेड पुल निर्माण की संस्तुति भी की।

इसके बाद लगभग डेढ़ अरब रुपए की लागत का प्रस्ताव नई दिल्ली मुख्यालय मंजूरी के लिए भिजवाया गया था। इस बात को भी काफी समय हो चुका है लेकिन एनएचएआई के जिम्मेदार इस महत्वपूर्ण कार्य पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

- सर्वेक्षण के बाद की जा चुकी है एलीवेटेड पुल के निर्माण की संस्तुति, फिर भी अटका मामला

यहां पर रहने वाले विष्णु कुमार गुप्ता, विवेक शर्मा, श्रवण कुमार कुशवाहा, अनुराग चतुर्वेदी, नितिन सिंह कुशवाहा, नारायण तिवारी, डा दिलीप गुप्ता, अरुण शर्मा, अभिषेक शर्मा, पीर मोहम्मद आदि का कहना है कि यहां पैदल लोहे की रेलिंग फांदकर या जमीन पर लेटकर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों को इस पार से उस पार होना पड़ता है। तेज रफ्तार भारी के बीच हमेशा जान का खतरा बना रहता है। जिम्मेदार अफसरों को इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए निर्माण शुरू करना चाहिए।

लाठी डंडों से मारपीट कर तोड़ी कार

राजपुर। राजपुर क्षेत्र के कुचौता गांव में ननिहाल गए युवक की रास्ते से निकलने के दौरान दो पक्षों में झगड़ा हो गया। युवक ने दो लोगों पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल करने और कार क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जैनपुर गांव निवासी दिलीप सिंह ने पुलिस को बताया कि बुधवार शाम करीब 6 बजे वह अपनी कार से ननिहाल कुचौता गांव गया था। इस दौरान वह मामा महेंद्र सिंह के दरवाजे बैठा था। तभी गांव के धीरेन्द्र सिंह व उसके भाई जीतू सिंह दरवाजे पर आए और चबूतरे से कार निकालने का आरोप लगा लाठी डंडों से हमला कर घायल कर दिया। आरोप है कि दोनों भाइयों ने लाठी डंडों से कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

वन दरोगा को पीटा

शिवराजपुर। 21 अक्टूबर को वन दरोगा अमित कटियार क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरी राय नेवादा के मजरा दुर्गापुरवा में पहुंचे तो देखा कि दुर्गा पुरवा गांव निवासी सर्वेश, विकास व राम खेलावन कछुए को काटकर उसका मांस पकाने की तैयारी कर रहे थे। वन दरोगा ने कछुआ के मांस को कब्जे में लेने का प्रयास किया तो उन लोगों अन्य ग्रामीणों की मदद से वन दरोगा को मारपीटकर मौके से भगा दिया। वन दरोगा ने पुलिस को सूचना दी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती तबतक सभी आरोपी मौके से भाग गये। इस मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि अभियुक्तों व कुछ ग्रामीणों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उनकी धर पकड़ के लिए टीम गठित कर दी गई है जल्द ही उन्हे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

प्लांट का ट्रांसफार्मर उठा ले गए चोर

शिवराजपुर। थाती नेवादा गांव के सामने हाईवे के किनारे मिनी आटा प्लांट लगा हुआ है। गुरुवार की रात चोर बिजली सप्लाई के लिए रखे ट्रांसफार्मर को पूरे सामान सहित उठा ले गए। पीड़ित प्लांट मालिक ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। राजू कुशवाहा निवासी ग्राम भवानीपुर थाना ठठिया जिला कन्नौज ने थाने में दी तहरीर में बताया कि मेरा आटा प्लांट थाती नेवादा गांव के सामने हाईवे के किनारे स्थित है जिसमें बिजली सप्लाई के लिए जो ट्रांसफार्मर रखा था। गुरुवार की रात चोर ट्रांसफार्मर को पूरे सामान सहित चोरी करके ले गए। सुबह जब प्लांट पर पहुंचे तो देखा कि ट्रांसफार्मर गायब था।

पटाखे छुड़ाने का विरोध करने पर पीटा

चौबेपुर। क्षेत्र के सुनौढ़ा गांव में दीपावली पर्व पर घर के सामने पटाखे छुड़ाने का विरोध करने पर पिता पुत्रों ने पड़ोसी के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। क्षेत्र के सुनौढ़ा गांव निवासी इस्तिखार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि दीपावली की रात पड़ोस के इमरान व फैजान पुत्रगण शमीम उसके दरवाजे के सामने जबरन पटाखे छुड़ा रहे थे। मना करने पर गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर इमरान, फैजान व उसके पिता शमीम ने उसके साथ मारपीट की।

ख्यौरा कटरी में चौपाल का हुआ आयोजन

बिठूर। कल्याणपुर ब्लॉक के ख़्यौरा कटरी गांव में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों ने बाल विकास, वृद्धा पेंशन, निराश्रित पेंशन, दिव्यांग पेंशन, किसान सम्मान निधि, ग्रामीण आजीविका मिशन, जैसी कई समस्याओं की शिकायतों को अधिकारियों के सामने रखा। अधिकारियों ने मौके पर ही कई शिकायतों का निस्तारण कराया और शेष मामलों के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। चौपाल में अधिकारियों ने सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। ग्रामीणों ने ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से कराने की मांग की, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। ग्राम चौपाल में ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी के साथ साथ उमेश चंद्र उत्तम, अतुल शुक्ला, प्रीति निषाद (प्रधान), शालिनी मिश्रा, नीतू शुक्ला, श्वेता, सत्येन्द्र, राहुल, संजय और काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बाइक और ऑटो की भिड़ंत में एक की मौत, कई लोग घायल

घाटमपुर के मूसानगर रोड पर गुरुवार रात के समय हुआ हादसा, मचा कोहराम

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के मूसानगर रोड पर गुरुवार रात एक भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि बाइक में सवार उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी घाटमपुर ले जाया गया। वहां से डॉक्टर ने उसे कानपुर रेफर कर दिया। वहीं तीसरे साथी को मामूली चोटें आई हैं। जबकि ऑटो में सवार कई अन्य सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गई हैं।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मूसानगर रोड मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मूसानगर से सवारियां लेकर एक ऑटो घाटमपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पलट गया और बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। बाइक पर सवार रसूलपुर निवासी 70 वर्षीय रज्जन सिंह चौहान निवासी फतेहपुर घायल हो गए। वहीं बाइक चालक प्रमोद तिवारी 45 निवासी बम्हरौली कानपुर देहात की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका साथी जितेंद्र सिंह सेंगर निवासी रहठी कानपुर नगर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के द्वारा उसे सीएचसी घाटमपुर ले जाया गया। वहां से डॉक्टर ने गंभीर हालत में उसे कानपुर रेफर कर दिया। वहां पर डॉक्टर ने जवाब दे दिया. जिसके बाद उसे एक प्राइवेट नर्सिंग होम में ले जाया गया, जहां पर उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं ऑटो में सवार यात्रियों में संदलपुर निवासी फहीम 40 वर्ष, उसकी पत्नी तबस्सुम 38 वर्ष, बेटी आयरा 5 वर्ष, बेटा आमिर 3 वर्ष, वजीर 68 वर्ष, राम किशोर 52 वर्ष कुछेछा निवासी रामस्वरूप वर्मा 68 वर्ष, रामकिशोर 68 वर्ष हमीरपुर और एक अज्ञात व्यक्ति घायल हुए। वहीं डॉक्टरों के अनुसार छह लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडे ने बताया कि सभी घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि मृतक प्रमोद तिवारी पुत्र जगदंबा प्रसाद तिवारी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की गई जान

घाटमपुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेजपुर गांव में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार की जान ले ली। मृतक की पहचान विनय कुमार 22 वर्ष पुत्र सूरज प्रसाद निवासी रंजीतपुर घाटमपुर के रूप में हुई है। विनय कुमार बाइक से जा रहा था। तेजपुर पेट्रोल पंप के पास ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर अवस्था में विनय को घाटमपुर सी एच सी ले जाया गया। वहां से उसे जिला अस्पताल कानपुर रेफर किया गया। वहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच में जुट गई है।

राशन वितरण में धांधली की जांच को पहुंचे पूर्ति निरीक्षक, दर्ज किये बयान

संवाददाता बिल्हौर

लोगों से बातचीत करते पूर्ति निरीक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार। बिल्हौर कस्बा स्थित सहकारी संघ के कोटेदार पर राशन वितरण में धांधली करने का आरोप लगने के बाद शुक्रवार को पूर्ति निरीक्षक ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और लोगों के बयान दर्ज किए।

जवाहर नगर मोहल्ले के सभासद अशोक चंद्र तिवारी ने एसडीएम बिल्हौर को शिकायती पत्र देकर बताया कि सहकारी संघ के कोटेदार ने अक्टूबर माह का राशन अभी तक वितरण नहीं किया है, जबकि अन्य कोटेदार नियमित रूप से वितरण कर चुके हैं। इस बीच इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कोटेदार कार्डधारक से पास मशीन में अंगूठा लगवाने के बाद वजन मशीन पर राशन तौलने की बजाय पहले से रखे गए बांटों से खाना पूर्ति करता दिखाई दे रहा है। हालांकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो के वायरल होते ही एसडीएम संजीव दीक्षित ने मामले का संज्ञान लिया और जांच के निर्देश दिए। उनके आदेश पर पूर्ति निरीक्षक दिनेश कुमार वर्मा ने सहकारी संघ पहुंचकर जांच शुरू की। निरीक्षक ने सभासद सहित मोहल्ले के कई लोगों से पूछताछ कर बयान दर्ज किए। मोहल्ले के निवासियों ने बताया कि अक्टूबर माह का राशन अभी तक नहीं मिला है। इधर, कोटा संचालक केशव देव बाजपेई ने कहा कि पिछले दो वर्षों से उनका 284 क्विंटल राशन बकाया है, जो अभी तक नहीं दिया गया। इसी कारण वितरण नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि इस बारे में वे कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। उन्होंने निरीक्षक द्वारा दर्ज बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार करते हुए कहा कि जब तक उनके बयान में बकाया राशन का जिक्र नहीं किया जाएगा, वे हस्ताक्षर नहीं करेंगे। क्षेत्रीय आपूर्ति अधिकारी ओपी राणा ने बताया कि मामले में कोटेदार की गड़बड़ी प्रकाश में आई है उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट भेज कर जल्दी कार्यवाही भी की जाएगी। घटतौली के साथ ग्राहकों को राशन नहीं दिया गया है इस बात की भी पुष्टि जांच में हुई है।

शिव मंदिर से नाग प्रतिमा हुई चोरी

चौबेपुर। क्षेत्र के अब्दुलपुर गांव स्थित सिद्धेश्वर मंदिर से शुक्रवार रात चोरों ने शिवलिंग के ऊपर लगी नाग देवता की कीमती प्रतिमा पार कर दी। सुबह जानकारी होने पर मंदिर के पुजारी ने मामले की तहरीर थाना पुलिस को दी।

अब्दुलपुर गांव स्थित सिद्धेश्वर मंदिर के पुजारी दया शंकर शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि रोजाना की तरह गुरुवार रात वह मंदिर के पट बंद कर घर चला गया। तभी देर रात मौका पाकर चोरों ने मंदिर में स्थित शिवलिंग के ऊपर करीब एक किलो वजन की तांबे की नाग देवता की प्रतिमा पार कर दी।

बताया कि इसके पहले भी चोर मंदिर से कई कीमती चीजें पार कर चुके हैं। जानकारी दी कि प्राचीन मंदिर में स्थित शिवलिंग से गांव समेत आसपास क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से आस्था जुड़ी है।

शिवराजपुर टोल प्लाजा पर फिर हुआ हंगामा

- अधिकारियों की कार्यशैली फिर से आई विवादों में

संवाददता बिल्हौर

अमृत विचार। अलीगढ़-कानपुर नेशनल हाईवे पर स्थित शिवराजपुर टोल प्लाजा के अधिकारियों की मनमानी और कार्यशैली एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। गुरुवार को टोल प्लाजा पर तब हंगामा मच गया जब स्थानीय भाजपा नेता नीलकमल सिंह चौहान के एक रिश्तेदार की गाड़ी का फास्टैग न होने पर उन्हें नकद रसीद देने से मना कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, भाजपा नेता नीलकमल सिंह चौहान के रिश्तेदार अपनी गाड़ी से कानपुर की ओर से आ रहे थे। चूंकि उनकी गाड़ी में किसी कारणवश फास्टैग नहीं लगा था, इसलिए उन्होंने टोल टैक्स का भुगतान नकद में करने के लिए अपनी गाड़ी टोल प्लाजा पर खड़ी कर दी। हालांकि, टोल प्लाजा के अधिकारियों ने मनमाने ढंग से नकद रसीद काटने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया, जिसके चलते विवाद शुरू हो गया।

टोल अधिकारियों द्वारा नकद भुगतान स्वीकार न करने और मनमानी दिखाने पर मामला बढ़ता चला गया। सूचना मिलते ही भाजपा नेता नीलकमल सिंह चौहान अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। समर्थकों ने टोल प्लाजा पर जमकर हंगामा किया और टोल अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए।

शिवराजपुर टोल प्लाजा। अमृत विचार

उपभोक्ता नियमों के उल्लंघन का आरोप

भाजपा नेता और उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि टोल प्लाजा के अधिकारी ग्राहक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित नियमों के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। नियम के तहत, यदि किसी तकनीकी कारण या फास्टैग न होने की स्थिति में नकद भुगतान का विकल्प उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने इस अनियमितता के खिलाफ उच्चाधिकारियों से शिकायत भी की।

उच्चाधिकारियों का आश्वासन और सांसद तक पहुंचा मामला

मामले की गंभीरता को देखते हुए, मौके पर मौजूद उच्च अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। वहीं, इस पूरे मामले की जानकारी मिश्रिख के सांसद अशोक रावत को भी दी गई है। सांसद ने भाजपा नेता से कहा है कि वह इस मामले की विस्तृत जानकारी केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को सौंपें, ताकि टोल प्लाजा की मनमानी और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके

जागरण में पहुंचीं पूर्व दस्यु सीमा यादव का स्वागत करते टिंकू बाजपेई व अन्य।

मां शीतला देवी में हुआ भव्य जागरण

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। ग्राम पंचायत इटर्रा में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मां शीतला देवी में भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी गीत में सभी भक्तजन अपने अपने स्थान पर झूमने लगे।

जागरण कार्यक्रम में रात भर लोग माता के गीतों पर झूमते रहे। साथ ही जागरण के दौरान प्रस्तुत की गईं झाकियां लोगों के लिये आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं भारतीय समाज पार्टी की महिला राष्ट्रीय महासचिव पूर्व दस्यु सीमा यादव ने कार्यक्रम की शुरुआत फीता काटकर किया। देवी जागरण का आयोजन प्रधान राधेश्याम तिवारी के द्वारा कराया गया था। इस दौरान सहयोगियों में समाचार पत्र विक्रेता संघ के तहसील अध्यक्ष टिंकू बाजपेई, सुरेंद्र शुक्ला, अखिलेश तिवारी, शिवम तिवारी, रामजी तिवारी, निखिल तिवारी आदि रहे।

शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण करते अतिथि। अमृत विचार

शहीदों को याद कर किया नमन

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ में गाजीपुर गांव में शहीदों की याद में वार्षिकोत्सव मनाया गया। शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए शहीदों के परिजनों की आंखें नम हो गईं।

जानकारी के अनुसार अमर शहीद ब्रजेश सिंह की शहादत को याद करते हुए बारहवां गाजीपुर में शहीद वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें क्षेत्रीय लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी शहादत को सलाम किया गया। समिति के सदस्यों ने शहीद की मां जानकी देवी को मंच पर लाकर उन्हें स्मृति चिह्न एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया। इस दौरान मनमोहक देश भक्ति एवं आध्यात्मिक झांकियों का भी आयोजन किया गया। इस कार्यकम में सत्यम तिलकधारी ग्रुप के सभी कलाकारों ने वाहवाही लूटी। यह कार्यक्रम भैया दूज के मौके पर किया गया। उनके परिवार के लोग भावुक हो गये। इस मौके पर गोविंद शुक्ला, दिलीप यादव, धीरू सिंह, नितिन मिश्र, प्रियांशु, छोटू महाराज सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

ककवन को जल निकासी की समस्या से मिलेगी निजात

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन कस्बे के निवासियों के लिए एक अच्छी खबर है। लंबे समय से चली आ रही जल भराव और जल निकासी की समस्या अब जल्द ही दूर होने वाली है। जिला पंचायत निधि से कस्बे में एक नए नाले के निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गई है। इस नाले का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस नाले का निर्माण थाने के पास से खारजा बम्बे तक किया जाएगा। बीते कई वर्ष पूर्व सड़क चौड़ीकरण के दौरान नाले का निर्माण कार्य हुआ था। इसके बाद कई जगहों पर नाला ध्वस्त भी हो गया था।

मेयर की घोषणा पर अमल : बताया जा रहा है कि यह नाला निर्माण कानपुर की मेयर प्रमिला पांडे की उस घोषणा का परिणाम है जो उन्होंने ककवन के अपने दौरे के दौरान की थी। जल भराव की समस्या से परेशान स्थानीय लोगों की मांग और मेयर की पहल के बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी मिली है। क्षेत्र के प्रियम द्विवेदी ने भी कई बार इस समस्या को मेयर के समक्ष रखा था जिसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने इस नाले को कार्य योजना में शामिल कर निर्माण कार्य के लिए टेंडर भी निकाल दिये।

परियोजना का विवरण

यह नाला लगभग 14 लाख रुपये की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा। नाले के निर्माण से बारिश के पानी की समुचित निकासी सुनिश्चित होगी, जिससे जल भराव की समस्या से ककवन कस्बे के लोगों को स्थायी रूप से छुटकारा मिल सकेगा। परियोजना को लेकर आवश्यक टेंडर प्रक्रिया भी तेजी से संचालित की जा रही है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि यह नाला बनने के बाद उन्हें मानसून के दौरान होने वाली परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

टेंडर प्रक्रिया कराई जा रही है जल्द ही नाले का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा जिससे आने वाले दिनों में जल भराव की समस्या नहीं होगी और घरों में जो जल भराव की स्थिति हो जाती थी उससे भी छुटकारा मिलेगा।

–सतेंद्र कुमार (एई जिला पंचायत कानपुर)

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई घायल

बिल्हौर। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के कुदौरा गांव में रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुए भीषण झगड़े में कई लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष के अभिमन्यु ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि 22 अक्टूबर को शाम करीब 7 बजे, राजेंद्र प्रसाद, सोनू और पंचम ने उन्हें रास्ते में घेर लिया और लाठी-डंडे, हंसिया हमला कर घायल कर दिया।

जब अजय उर्फ लल्लन, मानसिंह, बालकृष्ण, सुरेश चंद्र, आदित्य, अशोक कुमार, शिवसिंह और अजय बचाने आए, तो हमलावरों ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला कर घायल कर दिया। अभिमन्यु ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावर 70,000 रुपये नकद और एक चेन छीनकर ले गए। पुलिस ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

खुशखबरी | माती रोड पर जिला अस्पताल के पास बन रहा उप निबंधक कार्यालय

दो माह में रजिस्ट्री दफ्तर के हैंड ओवर की तैयारी!

- दो करोड़ 28 लाख रुपये लागत के भवन का अस्सी फीसदी काम पूरा
- पिछले साल 29 अक्टूबर को हुआ था भूमि पूजन, कोर्ट के स्टे के कारण हुआ विलंब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः बड़ी अड़चन नहीं आई तो अकबरपुर का रजिस्ट्री दफ्तर तीन माह के भीतर खुद के भवन में चला जाएगा। फिलवक्त इसका संचालन सदर तहसील में हो रहा। नया भवन तहसील से जिला अस्पताल के पास बन रहा। इसका लगभग 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। अगले दो महीने के भीतर इसके हस्तांतरण की उम्मीद है। भवन के निर्माण पर सवा दो करोड़ की लागत आई है।

नया उप निबंधक कार्यालय तहसील से थोड़ा आगे संचालित होगा। गाटा संख्या 982 पर इसका निर्माण हो रहा। 263.40 वर्ग मीटर के दफ्तर का ज्यादातर काम पूरा हो चुका है। अब फिनिशिंग, प्लबिंग, बाउंड्री वॉल, पॉवर और इंटर लॉकिंग एरिया का काम भर बाकी है। कार्यालय को बिजली आपूर्ति के लिए 20 केवीए का ट्रांसफारमर लगेगा। हालांकि अभी पॉवर कनेक्शन की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हुई मगर अंदर सप्लाई के लिए केबिल डालने का काम जल्द पूरा हो जाएगा। नए भवन में रेकार्ड रूम, रजिस्ट्रेशन ऑफिस, वेटिंग एरिया बनकर तैयार हैं। बाहर कैंटीन बनेगी। पूरी बिल्डिंग सिंगल स्टोरी होगी।

ऑफिस के निर्माण के लिए बीते साल 29 अक्टूबर को भूमि पूजन हुआ था। इस साल सितंबर तक नया भवन निबंधन विभाग को हैंड ओवर करने की तैयारी थी मगर भूमि के स्वामित्व को लेकर न्यायालय में लंबित एक मुकदमे के कारण कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका। निर्माण संस्था उत्तर प्रदेश आवास एवम विकास परिषद के सहायक अभियंता हरेंद्र सिंह ने बताया कि अब पूरी कोशिश रहेगी कि दिसंबर महीने में भवन का हस्तांतरण हो जाए। उन्होंने बताया कि दो करोड़ 28 लाख लागत की इस निर्माण योजना का पैसा शासन से अवमुक्त हो चुका है। लगभग अस्सी फीसदी काम हो चुका है। रंग-रोगन चल रहा है। बाकी का काम अगले डेढ़-दो माह में पूरा कर लिया जाएगा।

नई साज–सज्जा के साथ तैयार होता रजिस्ट्री कार्यालय। अमृत विचार

औपचारिकताएं पूरी होते ही शुरू कराएंगे संचालन

कानपुर देहात। सब रजिस्ट्रार संतोष कुमार सरोज ने बताया कि नई बिल्डिंग के दिसंबर महीने में हस्तांतरित होने की जानकारी मिली है। समस्त औपचारिकताएं पूर्ण होते ही दफ्तर का काम–काज प्रारंभ करा दिया जाएगा। कोशिश होगी कि जरूरी संसाधनों को शिफ्ट कर दस्तावेजों के पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाए। रेकार्ड तथा बाकी सामान–फर्नीचर संचालन के साथ शिफ्ट होते रहेंगे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **राज कुमार सिंह पुत्र स्व0 संत सिंह व श्रीमती मनोज सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह निवासीगण–547/160/2क, निकट संतोषी माता मंदिर, जलालपुर, राजाजीपुरम लखनऊ** मेरा पुत्र शिवम सिंह उर्फ शिवा सिंह व पुत्रवधू श्रीमती श्रेया सिंह झगड़ालू प्रवृत्ति के है वह लोग मेरे साथ लड़ाई झगड़ा व अभद्र व्यवहार करते हैं और कहना नहीं मानते है जिस कारण हम अपने पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में पुत्र व पुत्रवधू के किसी भी कृत्य या लेन देने के लिए मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगें।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वर्ष 2025 रोल नंबर 1252279706 माध्यमिक शिक्षा परिषद का वास्तव में खो गया है। **आयुष कुमार बौद्ध पुत्र मनोज कुमार बौद्ध निवासी ग्राम खुर्दाशीर रामगढ़ करनैलगंज जनपद गोंडा।**

सूचना

मैं, **श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी कौशलेंद्र सिंह निवासिनी ग्राम पूरे बनिया मजरे हेवतहा नेवढ़िया, पोस्ट हेवतहा नेवढ़िया थाना जगतपुर जिला रायबरेली** ने अपना नाम जठे सिंह (JATHEY SINGH) से ज्योति सिंह शपथ पत्र दिनांकित 16.10.2025 द्वारा कर लिया है। यही मेरा वास्तविक नाम है और भविष्य में मैं इसी नाम से जानी पहचानी जाऊंगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने HDFC CHILDREN'S DOUBLE PLAN की पॉलिसी नं. 10217268 कराई थी, जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम अशोक कुमार पुत्र रामराज और जन्मतिथि 10/02/1983 ई. अंकित है, जबकि अभिलेखों में अशोक पुत्र रामराज जन्मतिथि 25/10/1978 ई.दर्ज है जो कि सही है। **अशोक पुत्र रामराज, नि. – पूरे सुख्खा मजरे कोलवा पो. अशरफपुर परगना रोखा तह. सलोन, जिला – रायबरेली**

सूचना

मैं **संगीता पत्नी स्व. अवधेश कुमार पूरे भुजवन मजरे बेलाभेला थाना भदोखर, जिला रायबरेली** की रहने वाली हूं। मैं अपने बड़े बेटे शिवम के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। उनसे सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करती हूं। भविष्य ने शिवम द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

मै मनोज कुमार मेरे आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, हाई स्कूल अंकपत्र व प्रमाण पत्र मे मेरे पिता का नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पासपोर्ट मे पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित हो गया है जबकि वास्तविक नाम गया प्रसाद है। अतः भविष्य मे गया प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी ग्राम व पोस्ट भांई थाना–धम्मौर, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0)

सूचना

यह घोषित किया जाता है कि **श्रीमती रेणु देवी पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्ण कुमार, निवासी: स्थायी पता: ग्राम–बलुआ, पोस्ट–डुमरा, वार्ड नं. 3, जिला–सीतामढ़ी, बिहार–843316, वर्तमान पता: मकान संख्या 1/1130, रतन खंड, शारदा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।** विवाह से पहले उनका नाम रेणु कुमारी था, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने अपना नाम रेणु कुमारी से बदलकर रेणु देवी रख लिया। अब वे रेणु देवी के नाम से जानी जाती हैं। अतः इस समाचार पत्र के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है कि उनका वास्तविक नाम रेणु देवी है।

सूचना

मैं **मोहम्मद हारुन निवासी हमिरापुर मलिहाबाद लखनऊ–227111, उत्तर प्रदेश, भारत,** यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से मोहम्मद हारुन अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम मोहम्मद हारुन है जबकि माता एवम पिता का नाम भी गलत दर्ज है, पिता का गलत नाम अब्दुल हसन मेहँदी हसन सही नाम अब्बुल हसन है, माता का गलत नाम सबीहा खातून अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम सबीहा खातून है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट नम्बर N3709359 में पिता का नाम त्रुटिवश बन्नू (BANNU) अंकित हो गया था जबकि मेरे पिता का सही नाम अब्दुल बारी ABDUL BARI है अतः उससे इसी नाम से पढ़ा व समझा जाए। **अज्जन खान पुत्र अब्दुल बारी नाज़िरपुरा बहराइच 271801**

सूचना

मैं **देवकी नन्दन वर्मा पुत्र श्री चन्द्रभाल वर्मा, निवासी– ग्राम अम्बरपुर क्लार्कनगर पोस्ट खगेसियामऊ तहसील व जिला सीतापुर उ0प्र0** 261001 का हूँ, मेरे पुत्र वंश राजपूत के स्कूल अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) लिखा है जबकि सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) है जो कि सच व सही है। पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) स्थान पर आधारकार्ड के अनुसार सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) दर्ज किया जाय।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

नहाय-खाय के साथ आज शुरू होगी छठ पूजा की धूम

आस्था के महापर्व को लेकर घाटों पर युद्धस्तर पर चल रहीं तैयारियां, कल होगा खरना, दउरा और सूप की दुकानें सजीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आस्था का महापर्व छठ पूजा उत्सव शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। रविवार को खरना के साथ ही 36 घंटे के अखंड व्रत की शुरुआत होगी। विजय नगर, गुजैनी, दबौली आदि जगहों पर दउरा, सूप आदि पूजन सामग्रियों की बिक्री शुरू हो गई है। पनकी और अर्मापुर छठ घाट पूरी तरह से सज गए हैं, जबकि सीटीआई, शास्त्री नगर, दबौली और गुजैनी में अभी सफाई का काम चल रहा है। शास्त्री नगर, नमक फैक्ट्री चौराहा आदि जगहों पर बनाए गए कृत्रिम तालाबों में नगर निगम पानी भरवाएगा, ताकि व्रती महिलाओं को किसी तरह की समस्या न हो।

संतान की प्राप्ति, उनकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना के साथ मनाए जाने वाले छठ पर्व पर गंगा नदी के किनारे भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। शहर के गंगा बैराज, गोलाघाट, मैस्कर घाट और सिद्धनाथ घाट पर हजारों श्रद्धालु पूजन के लिए सुबह और शाम के समय उमड़ेंगे। सोमवार की शाम को घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ेगा। देवी गीतों के स्वर वातावरण में गूंजेंगे तो खुशियों के पटाखे भी छूटेंगे।

सीटीआई घाट पर वेदी बनाने पहुंचीं कलावती सिंह ने कहा कि वह 48 वर्षों से पूजन कर रही हैं। मां की कृपा से सब कुछ मिला। सारी जिम्मेदारियों से मुक्त हो गई हूं। इस बार पति और दोनों बच्चे घर से घाट तक की दूरी लेटते हुए तय करेंगे। तान्या यादव पहली बार व्रत रखेंगी। उनका कहना है कि तैयारियां तो पूरी हो गई हैं। संतान की कामना पूरी हो गई है, इसलिए व्रत रखूंगी और भंडारे का आयोजन भी पारण के बाद करूंगी। उनका कहना है कि उनके घर में छह महिलाएं हैं, जो व्रत रखेंगी। उनके साथ पुरुष भी व्रत रखेंगे और इस बार तो पूरी रात जल में ही खड़ी रहेंगी।

छठ पूजा के लिए शास्त्री नगर में तैयार किया जा रहा घाट। अमृत विचार

डीएम, सांसद और एमएलसी ने छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया। अमृत विचार

संध्या अर्घ्य

- **27 अक्टूबर:** इस दिन घाटों पर पूजन होगा। वेदी का पूजन करने के साथ ही जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ का प्रसाद भी बनाया जाएगा।

ऊषा अर्घ्य

- **28 अक्टूबर:** ऊषा काल में सूर्य भगवान का पूजन होगा। उदयगामी सूर्य को अर्घ्य के साथ ही व्रत का समापन होगा और फिर अदरक, ठेकुआ का प्रसाद बांटा जाएगा।

द्रोपदी ने रखा था व्रत

मान्यता है कि जब पांडव, कौरवों से जुए में राजपाट हार गए तो द्रौपदी ने छठ मईया का व्रत किया। इस व्रत के प्रभाव से उनका संपूर्ण राजपाट लौट आया। द्रौपदी ने अपने परिवार के साथ छठ मईया की उपासना की, जिससे उनके जीवन में उत्तम स्वास्थ्य और लम्बी उम्र का आशीर्वाद सूर्य पूजा से मिला। सूर्य देव के आशीर्वाद से सारी मनोकानाएं पूर्ण हुईं। कहा जाता है कि कुन्ती ने सूर्य की उपासना की, जिससे प्रसन्न होकर सूर्य ने कर्ण जैसे माहबली संतान का आशीर्वाद दिया था।

घाटों की तैयारियां परखीं

कानपुर। सांसद रमेश अवस्थी, एमएलसी अरुण पाठक, जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सचान चौराहा और सीटीआई स्थित छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अभियंता मनोज कुमार को निर्देशित किया कि सभी पूजा घाटों पर पर्याप्त जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घाटों पर सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने बताया कि छठ पूजा के अवसर पर लगभग 5 से 10 लाख श्रद्धालु नगर के विभिन्न घाटों पर एकत्रित होते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह पर्व श्रद्धालुओं के लिए सकुशल एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न हो सके।

सिटी ब्रीफ

बेंगलुरु फ्लाइट अब चेन्नई तक जाएगी

कानपुर। कानपुर से बेंगलुरु के मध्य उड़ान भरने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट अब चेन्नई तक जाएगी। एयरलाइंस ने इसी माह से उड़ान भरने की तैयारी की है। कानपुर से बेंगलुरु के लिए हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को विमान उड़ान भरता है, अब यह चेन्नई तक जाएगा। बेंगलुरु के लिए तीन दिन दोपहर 12:50 बजे यह फ्लाइट कानपुर में लैंड करती है और 35 मिनट रुकने के बाद दोपहर 1:25 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान भरती है।

बर्रा में केडीए ने सील की दोमंजिला इमारत

कानपुर। केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश पर शुक्रवार को केडीए टीम बर्रा थाना क्षेत्र स्थित बर्रा-5 में परिसर संख्या 108 को सील किया गया। दो मंजिल बिल्डिंग बनने के बाद केडीए ने यह कार्यवाही की। इस कार्यवाही में प्रवर्तन जोन-3 के प्रभारी अधिकारी प्रवर्तन टीम के साथ मौजूद रहे।

वसूली वाले वीडियो की होगी जांच

कानपुर। एसीएमओ डॉ. यूवी सिंह के नाम पर रुपये लेने का एक मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल है। यह आरोप बिधनू सीएचसी के अधीक्षक डॉ.नीरज सचान द्वारा लगाया गया है, लेकिन उनका कहना है कि बीते दिनों वह अवैध क्लीनिक व झोलाछाप पर कार्रवाई के लिए क्षेत्र में गए थे, इससे नाराज किसी शरारती तत्व ने ऐसी हरकत की है। हालांकि एसीएमओ डॉ.यूवी सिंह का कहना है कि मामले के संबंध में जांच कराई जाएगी।

सेंट्रल स्टेशन में बनाए गए अस्थाई यात्री प्रतीक्षालय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छठ पूजा पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए कानपुर सेंट्रल स्टेशन के सिटी साइड एवं कैंट साइड में लगभग 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अस्थायी यात्री आश्रय बनाए गए हैं। इन आश्रयों की कुल क्षमता लगभग 2500 यात्रियों की है।

शुक्रवार को उत्तर मध्य जोन के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कानपुर खंड के स्टेशनों का बारीकी से निरीक्षण किया और कहा कि पनकी धाम, गोविंदपुरी स्टेशन पर यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। कानपुर सेंट्रल स्टेशन विश्वस्तरीय बन रहा है। यह स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किये जा रहे हैं। रेल अधिकारियों ने बताया कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 210 नियमित ट्रेनों का संचालन हो रहा है, जबकि 40 अतिरिक्त त्यौहार विशेष ट्रेनें कानपुर सेंट्रल से होकर गुजर रही हैं। इसके अतिरिक्त, गोविंदपुरी स्टेशन से औसतन 36 नियमित गाड़ियां और 24 त्यौहार विशेष गाड़ियां संचालित की जा रही हैं।

शुक्रवार को बिहार को ओर जाने वाली ट्रेनों पर खासी भीड़ दिखी। अमृत विचार

- **गोविंदपुरी एवं पनकीधाम स्टेशन पर भी यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी**

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी, सचिव महाप्रबंधक अखिल शुक्ला, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक आकांशु गोविल, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) जावेद अहमद, उप मुख्य अभियंता, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति यूनिट), तथा उप मुख्य यातायात प्रबंधक कानपुर आशुतोष सिंह एवं अभियंता आरके पांडेय आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज-नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन

- कानपुर। त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने प्रयागराज से नई दिल्ली के लिए 26 अक्टूबर और नई दिल्ली से प्रयागराज के लिए 27 अक्टूबर को स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ये ट्रेन गोविंदपुरी स्टेशन (कानपुर) होते हुए चलेंगी। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि इस गाड़ी में प्रथम एसी 1, थर्ड एसी 4, सेकंड एसी 2, ईकॉनामी 3, स्लीपर 6, सामान्य 4 एवं 2 कोच पार्सल के होंगे। गाड़ी संख्या 04145 प्रयागराज से रविवार 26 अक्टूबर को रात 11.20 बजे रवाना होगी। फतेहपुर रात 00.48 बजे, गोविंदपुरी रात 2.05 बजे, इटावा सुबह 4.30 बजे, टूंडला सुबह 6.20 बजे, अलीगढ़ सुबह 7.38 बजे, नई दिल्ली सुबह 11.40 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04146 सोमपार 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे रवाना होगी। अलीगढ़ सायं 5.28 बजे, इटावा रात 9.40 बजे, गोविंदपुरी रात 11.45 बजे, प्रयागराज सुबह 4.30 बजे पहुंचेगी।

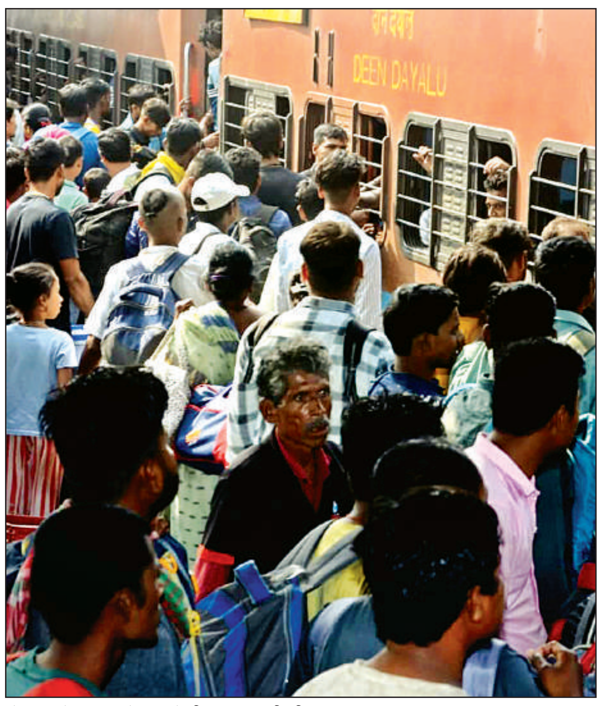

सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन आते ही उमड़ पड़ती भीड़। अमृत विचार

ट्रेनों में भारी भीड़, मारपीट की नौबत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छठ पूजा में जल्दी घर पहुंचने के लिए यात्रियों के बीच सिर्फ फर्श पर बैठने के लिए मारपीट की नौबत है। नई दिल्ली और मुंबई की ओर से बिहार जाने वाली ट्रेनों की फर्श से लेकर प्रसाधन के अंदर तक लोग अपने परिवार के साथ यात्रा करने को मजबूर हैं। स्लीपर कोच में आरक्षण कराने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

शुक्रवार को मुंबई से आने वाली कुशी नगर, लखनऊ एक्सप्रेस, मुंबई सुपरफास्ट समेत सभी ट्रेनों में यात्रियों को फर्श पर बैठने के लिए भी लड़ाई करना पड़ा। दिल्ली की ओर से आने वाली सर्वाधिक दिक्कत पूर्वा एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस, सियालदह एक्सप्रेस, फरक्का, मरुधर, संपूर्ण क्रांति समेत दर्जनों ट्रेनों में सिर्फ फर्श पर बैठने को लेकर मारामारी हुई। स्लीपर डिब्बों में जिनके आरक्षण थे, दिन में ऐसे डिब्बे साधारण कोच की तरह फुल रहे।

हालांकि जीआरपी और आरपीएफ की टीम आरक्षित कोचों से अनारक्षित यात्रियों को हटाने का प्रयास करती रही लेकिन उसके बाद भी सैकड़ों लोग अपने परिवार के साथ आरक्षित कोच में जबरन घुसे रहे।

शुक्रवार को ट्रेन में घुसने के लिए मारामारी वाले हालात रहे। अमृत विचार

जीएम ने सेंट्रल का देखा हाल

निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छठ पूजा पर लाखों यात्रियों की भीड़ ट्रेनों में उमड़ी हुई है। स्टेशनों एवं ट्रेनों में यात्री सुरक्षित सफर करें, इसके लिए रेलवे की कई टीमें काम कर रही हैं। उत्तर मध्य जोन के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह अपनी टीम के साथ सेंट्रल स्टेशन पर यात्रियों की व्यवस्था देखने के लिए पहुंचे।

शुक्रवार को उत्तर मध्य जोन के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह विशेष सैलून से कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचे। उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ महाप्रबंधक ने छठ पूजा पर यात्रियों को गंतव्य स्थान तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए की गई व्यवस्था का जायजा लिया। दरअसल त्योहारों पर रेलवे ने 12000 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया है। वर्तमान में छठ पूजा के लिए नई दिल्ली, मुंबई के सबसे ज्यादा यात्री बिहार और छत्तीसगढ़ की ओर जा रहे हैं, जिससे ट्रेनें फुल हैं।

महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने सेंट्रल स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और नक्शे में ये समझने की कोशिश की कि अभी कितना प्रतिशत काम बाकी है। महाप्रबंधक ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये।

महाप्रबंधक ने सभी प्लेटफार्मों के अतिरिक्त कैंट साइड और सिटी साइड का भी निरीक्षण किया। जीएम का काफिला जीएमसी, गोविंदपुरी स्टेशन समेत कई अन्य स्थानों पर भी पहुंचा और ट्रेनों के संचालन से जुड़े सभी सिस्टम को चेक किया।

सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण करते जीएम नरेश पाल सिंह। अमृत विचार

- **महाप्रबंधक ने सेंट्रल स्टेशन की व्यवस्थाएं देखीं, सुरक्षित सफर पर दिया खासा जोर**
- **विश्वस्तरीय निर्माणाधीन सेंट्रल स्टेशन का कार्य जल्द ही पूरा करने के दिए निर्देश**

मार्च 2027 में पूरा होगा सेंट्रल का काम

- कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उत्तर मध्य जोन के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने अधिशासी अभियंता आरके पांडेय से पूछा कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन का निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा, जिसके जवाब में अधिशासी अभियंता ने कहा कि मेमू के कारण 6 माह निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। दूसरा कारण ब्लाक नहीं मिलने से कार्य थोड़ा बहुत प्रभावित हुआ, लेकिन मार्च 2027 तक हर हाल में कानपुर सेंट्रल स्टेशन को विश्वस्तरीय बना दिया जाएगा।

वापसी के लिए 6181 स्पेशल ट्रेनें, अतिरिक्त काउंटर

28 अक्टूबर से नवंबर तक 6181 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी ताकि लोग छठ पूजा के बाद अपने कार्य पर बिना किसी रुकावट के वापस हो सकें। भारतीय रेल यात्रियों के त्योहारों की यात्रा को सुगम एवं आरामदायक बनाने के लिए देशभर में 12000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। छठ पूजा में शामिल होने के लिए कई दिनों से हजारों ट्रेनों से लोगों का जाना जारी है, लेकिन छठ पूजा खत्म होने के बाद अचानक ट्रेनों में भीड़ बढ़ेगी जिसके लिए रेलवे ने तैयारियां शुरु कर दी हैं। कई अतिरिक्ट टिकट काउंटर, पूछताछ काउंटर काम करेंगे।

यात्रियों के लिए स्टेशनों पर विशेष व्यवस्थाएं

- इसके अतिरिक्त कानपुर, बलिया, समस्तीपुर, दानापुर, राजेंद्र नगर, दरभंगा, पटना, मुजफ्फरपुर, गया, बरौनी, आनंद विहार टर्मिनल, उधना, पुणे, मुंबई, नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु समेत बड़े स्टेशनों पर 24 घंटे यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन, पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम काउंटर, मोबाइल अनरिजर्व टिकटिंग सुविधा को भी बढ़ाया गया है। इसी प्रकार सूचना काउंटर, पब्लिक एनाउंस सिस्टम को मजबूत किया गया है। स्टेशन पर स्वच्छता, ट्रेनों की स्वच्छता के लिए अलग से टीम लगाई गई है।

तैयारी

झकरकटी बस अड्डे पर बनेगा चार्जिंग प्वाइंट, सरकार ने दी मंजूरी, प्रदेश के कई बड़े बस अड्डों पर चार्जिंग प्वाइंट बनाने की कवायद

गोरखपुर, वाराणसी, दिल्ली तक दौड़ेंगी एसी ई-बसें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने कानपुर से लखनऊ, गोरखपुर, दिल्ली, वाराणसी, आगरा समेत कई महानगरों व जिलों के लिए इलेक्ट्रिक एसी बसें चलाने की तैयारी की है, जिसके लिए झकरकटी बस अड्डा समेत प्रदेश के कई बड़े बस अड्डों पर चार्जिंग प्वाइंट बनाने की सरकार से स्वीकृति मिल गई है।

शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग प्वाइंट लगने जा रहा है। इन बसों के चलने परिवहन विभाग द्वारा डीजल पर खर्च किये जा रहे करोड़ों रुपए से बड़ी राहत मिलेगी। नई इलेक्ट्रिक बसों में वैसे भी दो से तीन साल तक बैट्री को लेकर कुछ नहीं बोलना है। यानी तीन साल परिवहन ईंधन पर बिना कुछ खर्च किये अच्छी कमाई करेगा।

बताते चलें कि उत्तर प्रदेश विकास निगम द्वारा अभी कानपुर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए 80 से 90 इलेक्ट्रिक एसी बसें चलाई जा रही हैं लेकिन अब परिवहन विभाग को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इलेक्ट्रिक बसें देने जा रही है जिसमें कानपुर के लिए 200 इलेक्ट्रिक एसी बसें शामिल हैं। इन बसों को कानपुर से लखनऊ, गोरखपुर समेत विभिन्न रुटों पर चलाने की तैयारी है जिसके लिए परिवहन चालकों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

गौरलतब है कि विमान नगर चकेरी में इलेक्ट्रिक बसों का डिपो है, वहां कई चार्जिंग प्वाइंट लगे हैं, इसी प्रकार फजलगंज सिटी बस डिपो में भी चार्जिंग प्वाइंट बना दिया गया है। अब झकरकटी बस अड्डे पर भी चार्जिंग प्वाइंट इसी वर्ष तैयार हो जाएगा।

स्पीड कम होने से पहले फेल हो चुकीं बसें: कानपुर से लखनऊ के मध्य कई माह पूर्व इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया गया था, लेकिन इन बसों की स्पीड 40 से 60 किमी प्रति घंटा थी, जिससे ये बसें कानपुर से लखनऊ पहुंचने में 3 से साढ़े तीन घंटे ले रही थीं। इससे लोगों ने इन बसों पर चलना छोड़ दिया था। हालांकि ये बसें एसी थीं और किराया भी बहुत अधिक नहीं था।

झकरकटी बस अड्डे पर तैयारियों पर मंथन करते अधिकारी। अमृत विचार

झकरकटी बस अड्डे पर चार्जिंग प्वाइंट जल्द

- सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज तिवारी का कहना है कि शहीद मेजर सलमान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग प्वाइंट स्वीकृत हो गया है। इसी बस अड्डे से इलेक्ट्रिक बसें संचालित होंगी। कई बस अड्डों पर चार्जिंग प्वाइंट बनने की मंजूरी मिली है, इसी में झकरकटी बस अड्डा भी शामिल है।

सिटी ब्रीफ

गुल्लक से रुपये और मोबाइल किया पार

कल्याणपुर। कल्याणपुर के कश्यप नगर निवासी सुनील कुमार पाल की शिवली रोड पर बुक स्टॉल व जनरल स्टोर की दुकान हैं। शुक्रवार दोपहर वह खाना खाने के बाद आराम करने लगे, तभी झपकी आने पर दुकान के अंदर दाखिल हुई एक युवती गुल्लक में रखें लगभग 25 हजार रुपये व मोबाइल पार कर ले गई। चोरी की घटना समीप ही सीसीटीवी कैमरे में कैद है। पीड़ित ने कल्याणपुर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस युवती की पहचान व उसकी तलाश में जुटी है।

ज्योरा नाले में मिला युवक का शव

कानपुर। नवाबगंज में शुक्रवार शाम ज्योरा स्थित नाले में 40 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव करीब तीन-चार दिन पुराना है। क्षेत्रीय लोगों ने नाले में गिरने और हत्या की भी आशंका जताई है। नवाबगंज पुलिस के अनुसार शाम करीब 5.30 बजे ज्योरा स्थित अनुप्रिया पार्टी लॉन के पास नाले में शव पड़ा होने की सूचना मिली। खबर पाकर चौकी प्रभारी गंगाबैराज फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से शव को बाहर निकलवाया। चौकी प्रभारी ने बताया कि संभावना है कि युवक लड़खड़ाकर नाले में गिरा हो। चोट लगने से वह बाहर निकल नहीं पाया। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने हत्या की भी संभावना जताई है। पुलिस के अनुसार शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। सोशल मीडिया व क्षेत्रीय लोगों की मदद से युवक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव मोर्चरी भिजवाया है।

छेड़खानी के विरोध पर चाकू से हमला

कानपुर। रायपुरवा में घर में अकेली युवती से शोहदे ने छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पीड़िता की माँ की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शक्कर मिल खलवा निवासी महिला के अनुसार क्षेत्र का रहने वाला भोले उनकी 18 वर्षीय बेटी को अक्सर परेशान व छेड़छाड़ करता है। 21 अक्टूबर को वह सब्जी लेने गई थी, तभी बेटी को अकेला पाकर भोले नशे में घर में घुस आया और बेटी का हाथ पकड़कर खींचने लगा। विरोध पर आरोपी ने बेटी के गर्दन, हाथ व शरीर पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। उनके पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। थाना प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

पड़ोसी के घर में फेंका नानवेज से भरा डिब्बा

कानपुर। बर्रा में पड़ोसी ने गुरुवार रात माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। पड़ोसी के घर की मंदिर व तुलसी के पौधे पर नानवेज भरा डब्बा फेंक दिया। पीड़िता ने विरोध जताया तो मारपीट की। पुलिस को सूचना देने पर आरोपी फरार हो गए। बर्रा गांव निवासी प्राइवेट कर्मी अनूप बाजपेई ने बताया कि घर के पहले तल पर बरामदे में मंदिर व तुलसी का पौधा है। गुरुवार रात पड़ोसी ने अपने साथियों के साथ अपनी छत से एक डब्बा उनके गेट के बाहर, दूसरा बरामदे में फेंका। आवाज सुनकर उनकी मां गोमती ने गेट से बाहर झांका तो डब्बा खुला पड़ा देखा। डिब्बे में बिरियानी थी, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। शुक्रवार सुबह वह मंदिर पहुंचीं तो देखा कि नानवेज फैला था। शिकायत करने गईं तो आरोपी झगड़ा करने लगे। सूचना पर पुलिस ने नानवेज साफ कराया। बर्रा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

दिवाली सीजन में 1.96 करोड़ की साइबर ठगी

साइबर ठगों ने दीपावली त्योहार पर ऑफर का लालच देकर अकेले कानपुर में 87 लोगों को बनाया शिकार

शिवप्रकाश मिश्रा, कानपुर

अमृत विचार। करवा चौथ, धनतेरस व दीपावली के त्योहारी सीजन में एनसीआरपी से जारी 15 दिन के आंकड़े हैरान करने वाले हैं। साइबर शातिरों ने इस अवधि में 87 लोगों को अपना शिकार बनाया, जिनसे एक करोड़ 96 लाख 32 हजार की ठगी की। वहीं प्रदेश के आंकड़ों को देखें तो 976 लोगों से ठगी हुई, जिनसे शातिरों ने 15.50 करोड रुपये का चूना लगाया। पांच से 20 अक्टूबर के बीच यह ठगी हुई। साइबर शातिरों ने यह रकम प्रदेश के कई जिलों के साथ कई प्रदेशों में बैंक खातों में भेजी है।

कानपुर में ठगी की रकम को शातिरों ने कई प्रदेशों में ट्रांसफर किया है। इससे उनके नेटवर्क का जाल पता चलने स्टेट साइबर सेल भी हैरान रह गई। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के आंकड़े और स्टेट साइबर सेल टीम के अनुसार 86 साइबर ठगी के मामलों में 87 लाख 32 हजार रुपये पार किए गए। जबकि 10 अक्टूबर को बिरहाना रोड स्थित पीबी सोसाइटी ज्वेलर्स से अकेले एक करोड़ नौ लाख की ठगी हुई। जिसमें ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले 29 लोगों, नए वाहन खरीदने वाले 37 लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया।

कानपुर में ठगी गई यह रकम प्रयागराज, अलीगढ़, बुलंदशहर व रायबरेली के बैंक खातों में भेजे गए, जिसमें 39 लाख रुपये स्टेट साइबर सेल ने इन खातों में ही सीज कर दिए हैं। साइबर सेल सूत्रों के अनुसार 48 लाख 32 हजार रुपये शातिरों ने निकाल लिए हैं या दूसरे खातों में ट्रांसफर किए हैं। जिनके मिलने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

साइबर ठगी की वारदात को अंजाम देने जयपुर, उदयपुर, झारखंड, दिल्ली और नोएडा के शातिरों के नाम सामने आए हैं। इन स्थानों पर कॉल सेंटर से ठगी का पूरा तानाबाना बुना गया है। स्टेट साइबर सेल को ठगी के मामलों में कानपुर के भी तार जुड़े मिले हैं।

29 ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले हुए शिकार

37 वाहन खरीदने वालों को ठगों ने जाल में फंसाया

189 प्री-एक्टिवेटेड सिम का ठगी में हुआ प्रयोग

कार पर बड़े ऑफर का लाभ दिखा बढ़ाई रकम

- बिधनू निवासी पिता ने धूमधाम से बेटी की शादी करने व दहेज में कार देने के लिए कुछ खेत भी बेचा। कार की बुकिंग के साथ अन्य तैयारियां शुरू की। इसी बीच एक अंजान नंबर से उनके पास कॉल आई और ऑफर के नाम पर कुछ रकम बचाने का लालच दिया। साइबर शातिर के झांसे में आकर किसान ने रकम गवां दी। पीड़ित ने पैसे तो जमा करा दिए, लेकिन उन्हें त्योहारी ऑफर का लाभ नहीं मिला। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने बिधनू थाने और साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

"रकम ट्रांसफर, या शोरूम, मॉल से संबंधित काम ऑनलाइन न करें। वहां जाकर पूरी बात करें। फोन पर बात करने वाला फ्रॉड हो सकता है, जो झांसे में ले सकता है। लालच और लापरवाही से ही लोग फ्रॉड का शिकार होते हैं, लिहाजा सतर्क रहें। ऐसी घटना होने पर फौरन 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत करें।

-वरुण शर्मा, स्टेट साइबर सेल प्रभारी

प्री-एक्टिवेटेड सिम से की गई 70 प्रतिशत ठगी

- साइबर सेल टीम की बारीकी से जांच-पड़ताल में पता चला कि ठगी की तीन से पांच घटनाओं में एक ही नंबर का प्रयोग किया गया और यह नंबर प्री-एक्टिवेटेड रहे हैं। इससे जाहिर होता है कि शातिर इसकी तैयारी काफी पहले से कर रहे थे। साइबर शातिरों ने काफी संख्या में प्री-एक्टिवेटेड सिम पहले से ही अपने पास एकत्र कर रखे थे। इसके साथ ही रकम को तत्काल दूसरे जिले और प्रदेश में ट्रांसफर के लिए फर्जी पते के बैंक खाते भी खुलवा रखे थे। ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए प्रदेश स्तर पर करीब 350 से ज्यादा फर्जी खाते खुलवाए गए होंगे। साइबर सेल टीम अब खाता धारकों की हिस्ट्री खंगाल रही है। वहीं सभी प्री-एक्टिवेटेड सिम जो प्रदेश के अलग-अलग जिलों व छोटे कस्बों से खरीदे गए, उनके बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

शातिरों ने अपनाया ठगी का नया पैंतरा

- धनतेरस और दीपावली पर अक्सर लोग छूट के लालच में वाहन लेना पसंद करते हैं। छूट के साथ कुछ उपहार भी मिल जाता है। इस बार शातिरों ने ऐसे लोगों को भी निशाना बनाया। लेकिन चौकाने वाली बात यह है कि शातिरों ने वह बातें बताई जो वाहन खरीदने वाले ने एजेंसी में बताई थीं। फोन करने वाले ने कार खरीदने वाले को फोन करके कहा कि आप एक लाख 22 हजार या उससे कुछ अधिक धनराशि और जमा कर देते हैं तो इसका आपको बड़ा लाभ हो सकता है। सिर्फ इतनी धनराशि अतिरिक्त जमा करने पर 88 हजार रुपये की और छूट मिलेगी। यहीं दीपावली ऑफर है। इस तरह धनराशि जमा कराई। लालच में पड़कर लोगों ने अपनी पूंजी गवां दी।

चौकी इंचार्ज व पुलिस कर्मियों को घेरकर हाथापाई, धमकाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मारपीट के पुराने मामले में बयान दर्ज करने के लिए कांशीराम कालोनी गए थे पुलिसकर्मी
- पुलिस का वाहन तोड़ने का प्रयास थाने से अतिरिक्त फोर्स पहुंचने पर पकड़े गए आरोपी दंपति

अमृत विचार। चकेरी में मारपीट के मामले में आरोपी का बयान लेने पहुंचे पुलिसकर्मियों व सनिगवां चौकी प्रभारी को आरोपियों व उसके साथियों ने घेर लिया। पुलिस से हाथापाई की, धमकाया और वाहन तोड़ने का भी प्रयास किया। चौकी प्रभारी को अतिरिक्त फोर्स मंगानी पड़ी, तब जाकर मामला शांत हुआ। पुलिस ने आरोपी दंपति समेत साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दंपति को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सनिगवां चौकी प्रभारी भरत कुमार पाठक के अनुसार केडीए कालोनी निवासी शिव सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 सितंबर की देर रात वह चोरों की अफवाह के कारण मोहल्ले में दो दोस्तों के साथ नजर रखे थे, तभी कांशीराम कालोनी में चोर का शोर मचने पर वहां पहुंचे तो कालोनी के लोगों ने उन्हें और उनके दोस्तों को पीट दिया। उसने इसकी एफआईआर दर्ज कराई थी। चौकी प्रभारी ने बताया कि इस मामले में आरोपी गगन और उसकी पत्नी ज्योति का बयान दर्ज करने के लिए वह पुलिस कर्मियों के साथ गुरुवार की रात कालोनी पहुंचे, जहां गगन और ज्योति समेत अन्य लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया।

आरोपियों ने पुलिस कर्मियों से गाली-गलौज कर हाथापाई की। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस कर्मी बाइक लेकर वहां से निकलने लगे तो आरोपियों ने बाइक पर तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। भीड़ अधिक होने के कारण अतिरिक्त फोर्स मंगानी पड़ी, तब जाकर मामला शांत हो पाय। इसके बाद आरोपी गगन व ज्योति को गिरफ्तार कर थाने लाए। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपियों को जेल भेजा गया है। चौकी प्रभारी की तहरीर पर आरोपी दंपती समेत साथियों पर सरकारी कार्य में बाधा, लोक सेवक को धमकाने, सार्वजनिक स्थान पर शांतिभंग समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

ओमान में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर 85 हजार की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेलबाजार में युवक ने पहचान के व्यक्ति पर ओमान में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 85 हजार रुपये ठगने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उसे फर्जी वीजा भी दिया गया, लेकिन किसी कारण वह नहीं जा सका। जब वीजा चेक कराया तो वह फर्जी निकला। ठगी का पता चलने पर रकम वापसी मांगी तो आरोपी ने धमकी दी। पीड़ित ने रेलबाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रेलबाजार के सुजातगंज निवासी मोहम्मद फैज खान के अनुसार बीती फरवरी माह में उनके परिचित बाबूपुरवा के रहने वाले मोहम्मद इकबाल ने ओमान में क्लीनर की नौकरी का झांसा देकर एक लाख रुपये की मांगे थे। नौकरी के लालच में उन्होंने आरोपी को तीन बार में 85 हजार रुपये दे दिए। उसके एक माह बाद आरोपी ने ओमान का फर्जी वीजा भी दे दिया। उसने कहा कि ओमान की टिकट करा देगा और उसे भेज देगा। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उन्हें ओमान की टिकट नहीं मिली।

इस पर उन्होंने आरोपी से कई बार पूछताछ की, लेकिन वह टरकाता रहा। उसके टरकाने के कारण अगस्त माह में आरोपी से अपनी रकम मांगी तो उसने एक माह में ओमान भेजने का वादा किया। उसका दिया समय भी बीत गया और जब उसे टिकट नहीं मिला तो आरोपी के वीजा की जांच करवाई। इस पर पता चला कि वीजा फर्जी है। इसके बाद सितंबर माह में उन्होंने आरोपी से रकम मांगी तो वह फिर टरकाने लगा। दबाव बनाने पर उसने पैसे देने से मना कर दिया। उसे व उसके परिवार को धमकी दी। इस पर पीड़ित ने रेलबाजार थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

कैंट में महिला से ठग लिए 25 हजार रुपये

- **कानपुर।** कैंट में शातिर ने महिला को गलत ट्रांजेक्शन का झांसा देकर 25 हजार रुपये ठग लिए। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। कैंट के नवशील अपार्टमेंट निवासी शालिनी शुक्ला के अनुसार 11 अक्टूबर की शाम को उनके नंबर पर अंजान कॉल आई। फोन करने वाले खुद का नाम मनोज कुमार बताया। कहा कि गलती से उनके खाते में 55 हजार रुपये भेज दिए हैं। उनके मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का फर्जी मैसेज भी भेजा। भरोसा होने पर पीड़िता ने आरोपी के दिए नंबर पर 25 हजार रुपये भेज दिए। बाद में महिला ने बैलेंस चेक किया तो ठगी का अहसान हुआ। पीड़िता ने नेशनल साइबर क्राइम में ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराई। कैंट थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया कि साइबर सेल की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है।

पनकी थाने में दिव्यांगों ने उठाई इंसाफ की मांग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिव्यांग उत्पीड़न के विरोध में राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने शुक्रवार को पनकी थाने में प्रदर्शन किया और थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया को ज्ञापन सौंपते हुए पीड़ित दिव्यांगों की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने पनकी थाना प्रभारी को बताया कि कांशीराम कॉलोनी कपली पनकी निवासी अल्पना कुमारी व बबली के साथ कॉलोनी के भैरव सिंह, गोरे सिंह, रीना व किरन ने गालियां देकर अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी। आरोप लगाया कि गोरे सिंह ने पिछले दिनों काशीराम कॉलोनी की एक बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज हुई थी। उसी की वजह से गोरे सिंह और उसके परिवार को यह शक है कि अल्पना व बबली ने रिपोर्ट दर्ज कराने में मदद की है, जिसकी वजह से अल्पना व बबली से रंजिश मान रहे हैं।

पनकी थाने में प्रदर्शन करने के बाद थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते दिव्यांगजन। अमृत विचार

कहा गया है कि पीड़िता की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट से अल्पना का कोई लेना-देना नहीं है। जिलाध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि थाना प्रभारी को शांतिपूर्वक ज्ञापन देने आए हैं, अगर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है तो थाने में अनिश्चितकालीन धरना देंगे। ज्ञापन देने वालों में आनन्द तिवारी, अरविन्द सिंह, अशोक कुमार, गुड्डी दीक्षित, वैभव दीक्षित, गोमती वर्मा, जौहर अली, सोनी आदि लोग शामिल थे।

- दिव्यांग महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ उठाई आवाज

प्रदर्शन के बाद चार के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

- **कानपुर।** दिव्यांग महिला से अभद्रता और अपमान करने पर पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कांशीराम कालोनी की अल्पना की ओर से दर्ज हुई एफआईआर में बताया गया कि 22 अक्टूबर की रात पड़ोसी भैरों सिंह शराब के नशे में घर के बाहर गाली-गलौज कर रहा था। उसके भाई गोरे सिंह, मां रीना सिंह और बहन किरन उर्फ बिट्टी भी आ गई। सभी ने मिलकर उसे अपमानित किया और धमकी दी। पनकी थाना प्रभारी मनोज भदौरिया ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सीएफसी में लापरवाही होगी कार्रवाई: नगर आयुक्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बोले, शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो

अमृत विचार। नगर निगम मुख्यालय में स्थित सिटीजन फैसिलिटेशन सेंटर (सीएफसी) का शुक्रवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सेंटर की कार्यप्रणाली में जनसुविधा को प्राथमिकता दी जाए। शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब कतई न किया जाए। प्रत्येक आवेदन की स्थिति नागरिकों को पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराई जाए, ताकि वह अपने आवेदन की प्रगति की जानकारी आसानी से प्राप्त कर भली भांति समझ-बूझ सकें।

कर्मचारी से पूछताछ करते नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय। अमृत विचार

सिटीजन फैसिलिटेशन सेंटर में नगर आयुक्त ने नागरिकों से प्राप्त होने वाले विभिन्न प्रकार के प्रार्थना पत्रों, शिकायतों व आवेदनों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नागरिक सेवा से संबंधित कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण की प्रक्रिया, शिकायतों पर की जा रही कार्रवाई, समाधान की समयसीमा और रिकॉर्ड संधारण प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। ऑनलाइन शिकायत निस्तारण प्रणाली की कार्यक्षमता देखी। उन्होंने मौजूद अधिकारी व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रार्थना पत्रों व शिकायतों का टाइमलाइन के अनुसार पारदर्शी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कहा कि यह केंद्र नागरिकों और नगर निगम प्रशासन के बीच प्रत्यक्ष संवाद का माध्यम है। ऐसे आवश्यक है कि यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक को शीघ्र, सटीक व संतोषजनक सेवा प्राप्त हो। नगर आयुक्त ने बताया कि सभी विभागीय अधिकारी नियमित रूप से प्राप्त शिकायतों की मॉनिटरिंग करें और उनकी समीक्षा बैठकें आयोजित करें, जिससे नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। उन्होंने सख्त चेतावनी दी कि लापरवाही या विलंब पाए जाने की स्थिति में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। सीएफसी में नागरिकों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, बैठने की व्यवस्था, पेयजल सुविधा, सूचना डिस्प्ले बोर्ड को और बेहतर बनाया जाए, ताकि नागरिकों को एक सकारात्मक अनुभव प्राप्त हो।

नौबस्ता के कबाड़ गोदाम कल्लू पुरवा में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता स्थित एक कबाड़ गोदाम में देर शाम आग लगी जिससे हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही किदवई नगर फायर स्टेशन से दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इसी प्रकार कल्लूपुरवा गांव में आग लगी जिसपर समय रहते काबू पा लिया गया।

शुक्रवार को सायं 7 बजे फायर स्टेशन के मिनी कंट्रोलरुम को फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली जिसपर किदवई नगर की दमकल मौके पर पहुंची। फैक्ट्री के मालिक सोनू निवासी आवास विकास हंस पुरम नौबस्ता के हैं, इनके कबाड़ गोदाम में आग लगी थी। फायर की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

इसी प्रकार दोपहर करीब सवा बारह बजे कोहना थाना क्षेत्र में कल्लूपुरवा गांव में आग लगी, यहां कर्नलगंज फायर स्टेशन की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को आगे बढ़ने से रोका।

स्पष्टीकरण मांगा | दीपावली तक सड़कें दुरुस्त न होने पर मांगा गया जवाब, अब अगले माह ही होगा टेंडर

सड़कें दुरुस्त न होने से नए कामों का टेंडर लटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 सड़कों की होनी है मरम्मत

अमृत विचार। लोक निर्माण विभाग को सितंबर माह में जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद अपनी सड़कें दीपावली तक पूरी करने के निर्देश मंडलायुक्त और जिलाधिकारी ने दिए थे, लेकिन अभी तक सड़कें सेंशन नहीं हो सकी है, इस वजह से अक्टूबर माह में टेंडर प्रक्रिया नामुकिन है।

ऐसे में शहर और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को खराब सड़कों की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सड़कें अभी तक पूरी तरह से सेंशन न होने और टेंडर प्रक्रिया पूरी न होने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से जवाब मांगा है। साथ ही अभी तक टेंडर प्रक्रिया पूरी न होने की वजह भी स्पष्ट करने को कहा है।

मामले में लेटलतीफ के चक्कर में जनता को गड्ढे व बजरी युक्त सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी व अभियंता इन ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मामले में अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि जल्द ही सड़कों का सेंशन होने के बाद नवंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद सड़कों का निर्माण कार्य किया जाएगा। बताया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों की 10-10 सड़कों के साथ ही करीब 50 सड़कों की मरम्मत होनी है।

नौबस्ता के योगेंद्र विहार में सड़कों की हालत खस्ता है। गड्ढों पर पानी भरा है। अमृत विचार

योगेंद्र विहार में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे

कानपुर। दक्षिण क्षेत्र में नौबस्ता के योगेंद्र विहार में सड़क पर 2-2 फीट गहरे गड्ढे हैं। जिसपर आए दिन लोग गिरकर चुटहिल हो रहे। 3 किलोमीटर की सड़क पर कई स्थानों पर सड़क है ही नहीं जहां गंदा पानी भरा रहता है। स्थानीय अशीष मिश्रा ने बताया कि सड़क बनाने के लिए कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से शिकायत की है। जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों को भी कहा गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जतना को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्यादा तेल खा बीमार हो रहे शहरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। खानपान का असर हमारे शरीर में होता है, लेकिन गलत खानपान शरीर को काफी नुकसान पहुंचाता है, खासकर ऑयल। अधिक ऑयल के सेवन से न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, बल्कि लीवर में भी दिक्कत होती है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में एक अध्ययन में पता चला कि अधिकतर शहरी जरूरत से तीन से चार गुना अधिक ऑयल का सेवन कर रहे हैं।

मेडिसिन विभाग में अधिक वजन और मोटापाग्रस्त व्यक्तियों पर हुई स्टडी में 90 प्रतिशत लोगों में कोलेस्ट्रॉल सामान्य से अधिक पाया गया। 95 प्रतिशत का लिवर फैटी मिला। महिलाओं में पीसीओडी और बांझपन के मामले बढ़ने, पुरुषों में नपुंसकता और हार्मोनल इम्बैलेंस की शिकायतें सामने आई हैं। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. विशाल गुप्ता के मुताबिक एक सामान्य व्यक्ति को दिनभर में अधिकतम 20 से 30 मिली ऑयल की जरूरत होती है, जबकि ज्यादातर लोग 150 से 200 मिली तेल का सेवन कर रहे हैं। नॉनवेज खाने वाले 300 मिली तक ऑयल यूज करते हैं, इससे शरीर के अंगों में वसा जमने लगता है और बीएमआई 25 से अधिक हो जाता है, जिसे मोटापा माना जाता है।

स्टडी में पाया गया कि जरूरत से अधिक तेल के सेवन से हार्ट डिजीज और हाइपरटेंशन का रिस्क तेजी से बढ़ता है। यह स्थिति न सिर्फ मोटापा, बल्कि हार्मोनल असंतुलन, लिवर फैटी, पीसीओडी और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की जड़ है, इसकी जद में बच्चे, युवा और महिलाएं सभी गलत खानपान की चपेट में हैं। लंबे समय तक ओवरवेट रहने से कोलन कैंसर और आंतों में अल्सर का खतरा भी बढ़ता है। अत्यधिक ऑयल के सेवन से शरीर में वसा की परतें बढ़ती हैं।

अधिक ऑयल के सेवन से लीवर हो रहा फैटी

- जीएसवीएसएस पीजीआई में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार के मुताबिक ऑयल का सीधा असर लिवर पर पड़ रहा है। तेल के अत्यधिक उपयोग से लिवर में फैट जम जाता है। यही स्थिति फैटी लिवर या सिरोसिस में बदल सकती है। जांचों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ी है, जिनके लिवर में वसा का स्तर सामान्य से कई गुना अधिक है। बताया कि एक समोसे या खस्ते में औसतन 20 से 25 मिली ऑयल होता है, जो एक दिन की पूरी जरूरत के बराबर है, लेकिन लोग दिन भर में पराठे, सब्जी और स्नैक्स के रूप में तीन से चार गुना ज्यादा तेल खा रहे हैं। यही कारण है कि हर पांच में दूसरा या तीसरा व्यक्ति अधिक वजन या लिवर फैटी की समस्या से ग्रस्त है।

सिटी ब्रीफ

रबी फसलों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

कानपुर। उप कृषि निदेशक डॉक्टर आरएस वर्मा ने रबी फसलों के संबंध में कृषकों को महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा है कि वर्तमान समय में जनपद कानपुर नगर में दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुवाई का उपयुक्त समय चल रहा है। किसानों को खाद्यान्न फसलों के साथ-साथ इन फसलों की बुवाई अधिक मात्रा में करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की उच्च उत्पादक प्रजातियां उपलब्ध हैं। इन फसलों का एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) अधिक होने के कारण इनकी खेती से किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी।

गुरुद्वारा में गुरुता गद्दी दिवस आज से

कानपुर। श्री ग्रंथ साहबि प्रचार सभा के द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब महाराज जी का दो दिवसीय गुरुता गद्दी दिवस गुरुद्वारा भाई बन्नो साहिब में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अजीत सिंह भाटिया ने बताया कि प्रातः 6.30 बजे से कार्यक्रम आरंभ होगा और रात 10.30 बजे तक चलेगा। इस अवसर पर गुरुद्वारा को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया है।

पत्नी के साथ इरफान पहुंचे ग्वालटोली

कानपुर। सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र की विधायक नसीम सोलंकी अपने पति पूर्व विधायक हाजी इरफान सोलंकी के साथ सपा के मनोनीत पार्षद रहे दिवंगत हाजी मुंसिफ अली रिजवी के आवास पर शोक जताने के लिए ग्वालटोली पहुंचे। डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी ने जानकारी दी।

मैनेजर पर धमकाने व धोखाधड़ी का आरोप

कानपुर। स्वरूप नगर के एक निजी अस्पताल के कर्मचारी प्रशांत श्रीवास्तव के अनुसार तेलगांना के संगरेड्डी कांडी की प्रौर एनर्जी लिमिटेड कंपनी से अस्पताल में 7 मशीनें लगाने के लिए बातचीत हुई थी। कंपनी के मैनेजर प्रभु रेड्डी के कहने पर उन्होंने 22 जुलाई को 20 लाख रुपये कंपनी के खाते में भेज दिए। जब मशीनें आईं तो उसका बिल 18.33 लाख था। एक खराब मशीन ठीक करने व नई मशीनों को इंस्टाल करने में ज्यादा रुपये लेने की शिकायत जब उन्होंने प्रभु रेड्डी से की तो धमकाया। एसीपी से शिकायत की और रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चांदी के दाम गिरने से निवेशकों के ठिठक गए कदम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चांदी के दामों में गिरावट से निवेशक बाजार से ठिठक गए हैं। उधर, दामों में गिरावट से अब आभूषण कारोबार में इजाफा होने की संभावना से भी कारोबारी इनकार नहीं कर रहे हैं। माना जा रहा है कि सोमवार से बाजार का रुख सामने आ सकता है। फिलहाल व्यापारी व निवेशक बाजार का रुख भांपने में लगे हुए हैं।

चांदी के दामों में अचानक गिरावट आने के बाद निवेशक, थोक व फुटकर व्यापारी अब बाजार का रुख समझने में जुट गए हैं। त्योहार के तुरंत बाद सोमवार से रिटेल बाजार में क्या संभावना बनती है इसका आंकलन बाजार में लगाया जा रहा है। फिलहाल निवेशक की बात की जाए तो ऐसे निवेशक जो हाजिर भाव में चांदी खरीदने के लिए व्यापारियों के संपर्क में थे वे अब रुक गए हैं। इसके अलावा वे निवेशक जिन्होंने वेटिंग की वजह से 'रेट बुक' करा रखे थे और अपनी चांदी के बारे में पूछताछ कर रहे थे उन्होंने भी खुद को सीमित कर रखा है।

इन सबके बीच यदि आभूषण खरीदारों की बात की जाए तो माना जा रहा है कि सोमवार को बाजार रेट यदि और कम हो जाते हैं तो आभूषण खरीदारों का रुख बाजार की ओर मुड़ सकता है। चांदी के रेट में इजाफा होने के बाद आभूषण खरीदारों ने खुद को बाजार से दूर कर रखा था। इससे रिटेल कारोबार पर सीधा असर पड़ रहा था।

बाजार में रिटेल खरीदारी की बात की जाए तो काफी समय से बाजार अपने तय कारोबार के मुकाबले सीमित कारोबार पर ही टिका हुआ था। रिटेल व्यापारी मानकर चल रहे हैं कि फिलहाल जो स्थिति चांदी है, उससे अगले सप्ताह से बाजार में चांदी के आभूषण खरीदार वापस जुड़ सकते हैं।

बाजार के हाल पर कानपुर बुलियन एंड सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. आशू शर्मा ने बताया कि चांदी के रेट में इजाफा होने पर इस बार धनतेरस पर्व पर भी रिटेल कारोबार हल्का रहा था। अब रेट में परिवर्तन या फिर कमी से बाजार में फुटकर खरीदार वापस आ सकते हैं। बाजार में रेट कम हो या फिर ज्यादा सबसे अधिक प्रभावित आभूषण के खरीदार व रिटेल व्यापारी होते हैं। उम्मींद है सोमवार के बाद बाजार की स्थिति साफ हो सकेगी।

बाजार भाव पर टिकी चांदी की खरीद

चांदी के कारोबारियों में सहालग नजदीक होने पर रिटेल कारोबार में इजाफा होने की उम्मीद जग रही है। उनका कहना है कि यदि चांदी के रेट सोमवार के बाद भी कम होते रहे तो सहालग के लिए आभूषण खरीदार बाजार से खरीदारी कर सकेंगे। इसके उलट यदि चांदी के रेट में इजाफा होता है तो रिटेल बाजार की स्थिति जस की तस बनी रह सकने की संभावना है।

- आभूषण कारोबार में हो सकता इजाफा, पटरी पर कारखाने
- दाम बढ़ने से तीन महीनों से सीमित रहा था आभूषण बाजार

कारखानों में कारीगरों की वापसी शुरू

- आभूषण की बिक्री में इजाफा होने की उम्मीद के साथ ही चांदी कारखानों में कारीगरों की वापसी शुरू हो गई है। सराफा व्यापारियों ने भी पुराने कारीगरों को छुट्टी की मियाद खत्म होने के तुरंत बाद काम में वापस आने का आमंत्रण दे दिया है। चांदी के आभूषणों की कम बिक्री होने से हल्की चांदी के आभूषणों की बाजार में अधिकता थी। ऐसे में यदि बाजार में भारी आभूषण की मांग बढ़ती है, तो कारीगरों को तेज काम करना जरूरी होगा। सहालग शुरू होने को लेकर सराफा व्यापारियों को बेहतर व्यापार होने की उम्मीद है।

दिल्ली में कृतिम वर्षा का परीक्षण

कानपुर। आईआईटी कानपुर की ओर से दिल्ली में कृत्रिम बारिश का परीक्षण कम बादलों की वजह से पूरा नहीं हो पाया। आईआईटी ने दिल्ली के बिधुनी क्षेत्र में परीक्षण किया। क्राफ्ट टेस्टिंग, सिस्टम चेक हो गए, लेकिन पर्याप्त बादल न होने के कारण बारिश नहीं हो सकी।

बताया गया कि फ्लेयर्स और उपकरणों ने बेहतरीन काम किया, जिससे यह साबित हुआ कि प्रणाली पूरी तरह तैयार है। जैसे ही बादल बनेंगे, कृत्रिम वर्षा हो सकती है। आईआईटी कानपुर निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को किया गया परीक्षण तकनीक रूप से पूरा सफल रहा है, लेकिन बादल न होने की वजह से बारिश नहीं हुई। परीक्षण का उद्देश्य फ्लेयर्स की कार्यक्षमता, उपकरणों की सटीकता और पर्यावरणीय परिस्थितियों की उपयुक्तता की जांच करना था।

न्यूरो नेविगेशन सिस्टम से 90 मरीजों की 99 फीसदी हुई सफल सर्जरी

एआई आधारित सिस्टम से न्यूरो और स्पाइन की सर्जरी सुरक्षित

अमृत विचार EXCLUSIVE

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जीएसवीएसएस पीजीआई में एआई आधारित नेविगेशन सिस्टम स्थापित
- न्यूरो और ट्यूमर से जूझ रहे मरीजों को इलाज के मिल रहा खासा लाभ

अमृत विचार। जीएसवीएसएस पीजीआई में एआई आधारित नेविगेशन सिस्टम स्थापित किया गया है, जिसकी मदद से न्यूरो संबंधित बीमारी या ट्यूमर ग्रस्त मरीजों को इलाज में काफी लाभ मिल रहा है। खास बात ये है कि इसकी मदद से मरीजों को अधिक जटिलता का सामना नहीं करना पड़ रहा है और सफलता की संभावना 99 फीसदी मिल रही है। वहीं, न्यूरो के साथ ही स्पाइन की सर्जरी में भी इस सिस्टम की मदद से मरीजों का सटीक इलाज संभव हो रहा है।

जीएसवीएसएस पीजीआई के न्यूरो और स्पाइन की ओपीडी में प्रतिदिन तीन सौ से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जिसमे से कई मरीज सड़क हादसे में घायल, जेनेटिक कारण, ट्यूमर और अन्य वजह से न्यूरो व स्पाइन की समस्या से ग्रस्त होते हैं। न्यूरो और स्पाइन के मरीजों में सर्जरी करना डॉक्टरों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण होता है। सर्जरी के दौरान न्यूरो व स्पाइन के मरीजों में किसी भी प्रकार की गलती की कोई गुंजाइश न हो सके, इसलिए पीजीआई में न्यूरो नेविगेशन सिस्टम स्थापित कर उसको इंस्टॉल किया गया है।

इस सिस्टम के जरिए अब तक 90 मरीजों की सफल सर्जरी हो चुकी है, जिसमे मरीजों व डॉक्टरों को 99 फीसदी सफलता हाथ लगी है। इसका मतलब ये है कि गलती की गुंजाइंश न के बराबर रह गई है। पीजीआई के नोडल अधिकारी डॉ.मनीष सिंह ने बताया कि अभी तक न्यूरो की सर्जरी सिर को खोलकर की जाती थी, जिसमे काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था और सिर को दोबारा से बंद करने में पूरे में टांके लगाए जाते थे, लेकिन एआई आधारित न्यूरो नेवीगेशन सिस्टम से मरीज में जोखिम की संभावना काफी कम रह गई है। छोटे से छेद के जरिए यह सर्जरी संभव है। वहीं, सिस्टम से जिस नस में दिक्कत है, उसी को ही दुरस्त किया जा सकता है। वहीं, ऑपरेशन के बाद 90 मरीजों में लकवा आदि की भी दिक्कत नहीं देखी गई।

छोटे चीरे से होती सर्जरी, नहीं आती कमजोरी

डॉ.मनीष सिंह ने बताया कि ब्रेन ट्यूमर या किसी अन्य समस्या वाले मरीज की एमआरआई या सीटी स्कैन की इमेज को न्यूरो नेविगेशन सिस्टम पर अपलोड किया जाता है। सर्जन फिर सर्जरी की योजना बनाता है और मरीज के मस्तिष्क की मैपिंग करके उसे सिस्टम में फिक्स कर देता है। सर्जरी के दौरान न्यूरो नेविगेशन सिस्टम ट्यूमर या संबंधित नस में समस्या को चिह्नित करता है और सर्जन को सबसे कम दूरी से ट्यूमर तक पहुंचने में मदद करता है। यह सिस्टम छोटे चीरे से सर्जरी करने में मदद करता है, जिससे हाथ व पैरों में कमजोरी आने की संभावना कम हो जाती है।

बागवानी संग मॉडर्न खेती के सीखिए गुर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएसए विवि में 5 नवंबर से लगेगा दो दिनी कृषि मेला
- किचन गार्डन के शौकीनों को विशेषज्ञ देंगे खास टिप्स

अमृत विचार। किचन गार्डन और बागवानी में रुचि रखने वाले शौक को निखार सकते हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 5 नवंबर से दो दिनी कृषि मेला लगेगा, जिसमें विशेषज्ञ लोगों का सीधे जानकारी देंगे। इसके अलावा मॉडर्न या स्मार्ट खेती करने वालों को भी मेले में तमाम जानकारियों के साथ ही विभिन्न उत्पाद भी मिल सकेंगे।

शहर में किचन गार्डन का शौक तेजी से बढ़ रहा है। खासतौर पर सोसाइटी कल्चर में इस शौक को लोग सामूहिक रूप से भी अपना रहे हैं। ऐसी स्थिति में सीएसए विश्वविद्यालय में लगने वाले कृषि मेले में भी इस शौक को रखने वालों के लिए खास विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे। यह विशेषज्ञ किचन व बागवानी के शौकीनों को विभिन्न टिप्स देकर उनके हुनर को और अधिक निखारने का प्रयास करेंगे। मेले में खास तरह के बीज और उत्पाद भी किचन व बागवानी के शौकीनों को मिल सकेंगे। इसके लिए मेले में कई स्टॉल भी लगाए जाने की तैयारियां हैं। इस मेले में किसानों को स्मार्ट खेती की जानकारी भी दी जाएगी।

किसानों की आमदनी बढ़ाने पर होगा फोकस

- मेले में इस बार विभिन्न राज्यों से किसानों के आने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में किसानों के लिए भी कई सुविधाएं मौजूद होंगी। इनमें किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। इस मेले में किसानों को कृषि क्षेत्र की नई तकनीकों के बारे में भी जानकारी प्रदान की जाएगी। किसान उत्पादक संगठन कैसे किसानों की आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। इसके बारे में भी बताया जाएगा। प्राकृतिक और जैविक खेती से किसान कैसे सामंजस्य बनाएं और उसका जो उत्पादन होता है उसे बाजार से जोड़ करके किस प्रकार ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सकता है, इन सब पहलुओं पर विशेषज्ञ विस्तार से चर्चा करेंगे।

फीडबैक के आधार पर हो रही मेले की तैयारी

- मेले के लिए विश्वविद्यालय में लगातार पूछताछ की जा रही है। इनमें सबसे अधिक किचन गार्डन और बागवानी सहित ऑर्गेनिक खेती के बारे में लोग पूछ रहे हैं। ऐसे में इन पूछताछ के आधार पर भी मेले में आने वालों को विशेषज्ञों के साथ सामना कराए जाने की योजना बनाई जा रही है।

मेले में किसान यहां से उन्नत बीज की खरीद भी कर सकेंगे। मेले के बारे में सीएसए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से हर वर्ष आयोजित होने वाले कृषि मेले के लिए इस बार 5 और 6 नवंबर की तारीख घोषित की गई हैं। मेले में किसानों के लिए काफी कुछ है। खासतौर पर गार्डन किचन व बागवानी करने वालों के लिए भी इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके अलावा मेले में आने वाले स्मार्ट खेती की जानकारी भी मेले में आने वाले विशेषज्ञों से ले सकते हैं।

स्मार्ट खेती की खास जानकारी: इस वर्ष आयोजित होने वाले इस कृषि मेले में किसानों को स्मार्ट खेती, ड्रोन तकनीक, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित फसलों के उन्नत बीज एवं जैविक खेती, प्राकृतिक खेती जैसे आधुनिक विषयों पर जानकारी दी जाएगी। इस बार मेले में ऑर्गेनिक खेती करने वाले युवाओं के भी बड़ी संख्या में आने की संभावना जताई जा रही है।

मरीज की आंख जांचते नेत्र रोग विभागापध्यक्ष डॉ.परवेज खान। अमृत विचार

कार्बाइड से रोशनी लौटना संभव नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दीपावली में कार्बाइड के पटाखे और गन चलाने का आसर
- हैलट अस्पताल में पहुंचे 51 लोग आठ की स्थिति गंभीर

अमृत विचार। दीपावली के त्योहार पर कार्बाइड के पटाखे और गन की खूब बिक्री हुई, जिस पर पुलिस प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब कार्बाइड वाले पटाखे और गन का इस्तेमाल हुआ तो लोगों की आंखों में समस्या पैदा हो गई। हैलट अस्पताल में बच्चे और युवा समेत 51 लोग पहुंचे, जिनमें से आठ लोगों की आंख की रोशनी लौटने की संभावना कम है।

दीपावली का त्योहार खुशियों और रोशनी का त्योहार है, लेकिन यह त्योहार आठ बच्चों की जिंदगी में अंधेरा कर गया, जो शायद अब कभी भी अपनी आंखों से देख नहीं पाएंगे। कार्बाइड युक्त पटाखे व गन चलाने की वजह से इनके कार्निया व रेटिना को नुकसान पहुंचा है। इनका जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में इलाज चल रहा है। हैलट अस्पताल के नेत्र रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.परवेज खान ने बताया कि दीपावली की रात 20 अक्टूबर को 12 मरीज, 21 अक्टूबर को ओपीडी में 15 और इमरजेंसी में नौ, 22 अक्टूबर को ओपीडी में 12 और इमरजेंसी में तीन मरीज इलाज के लिए आए, जिनमें आठ मरीजों की आंख में कार्बाइड व बारूद के कण लगने की वजह से अधिक नुकसान पहुंचा है।

इनमें अधिकांश बच्चे शामिल हैं, जो चौबेपुर, कानपुर देहात, अकबरपुर व फतेहपुर के हैं। इनमें सबसे कम उम्र का बच्चा तीन वर्ष का है। आठ में छह मरीज भर्ती हैं, जिनका ऑपरेशन हो चुका है और कोशिश की जा रही है कि किसी भी तरह उनकी आंख की रोशनी बचा ली जाए। बाकी मरीजों का इलाज कर छुट्टी दे दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि कार्बाइडयुक्त पटाखे और गन कतई न चलाएं। उन्होंने प्रशासन से भी अपील की है कि इनकी रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

हाईवे पर वाहनों की आग से निपटेगी फायर ब्रिगेड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर के 100 किमी की परिधि में बनेंगे 5 फायर सब-स्टेशन
- बसों, कार, ट्रकों व अन्य वाहनों में टक्कर के बाद लगती आग

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर और इसके आसपास गुजरने वाले हाईवे पर फायर सब स्टेशन बनाने की योजना बनाई है, ताकि हादसे का शिकार होने वाले वाहनों को आग से बचाया जा सके।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे हो या फिर जीटी रोड, प्रयागराज हाईवे या फिर सागर हाईवे, सबसे ज्यादा खतरनाक घाटमपुर हाईवे है, इसी प्रकार अक्सर लक्जरी लंबी दूरी की बसें आग का शिकार होती हैं और फायर स्टेशन से घटनास्थल पर दमकल के पहुंचने से पहले ही सबकुछ जलकर राख हो जाता है लेकिन अब ऐसा नहीं होगा और हाईवे किनारे आग बुझाने के सारे संसाधन फायर के सब स्टेशन में मौजूद रहेंगे ताकि किसी भी घटना के होते ही उसपर तुरंत काबू पा लिया जाए।

अग्निशमन अधिकारी के अनुसार प्रत्येक 100 किमी की दूरी पर फायर सब स्टेशन बनाया जाएगा ताकि आग की घटनाओं एवं वाहनों में फंसने वालों का रेस्क्यू करके उन्हें तुरंत निकाला जा सके। बताते चलें कि हर साल कानपुर में 28 से अधिक लोगों की हादसे में आग लगने के कारण दर्दनाक मौत होती है।

2 लाख में दो गाय और 80 हजार छूट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के अंतर्गत महानगर के 28 लोगों का चयन किया गया जिसमें 50 प्रतिशत महिलाएं हैं। लाभार्थी को दो स्वदेशी गायें प्रदान की जाएगी। दो गायों की लागत 2 लाख रुपये है। इसपर सरकार द्वारा 40 प्रतिशत सब्सिडी यानी 2 लाख पर 80 हजार की सब्सिडी मिलेगी।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में ई-लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया गया। चयनित लाभार्थी को स्वदेशी नस्ल जैसे गिर, साहीवाल, थारपारकर आदि नस्लों की गायें बाह्य प्रदेशों से क्रय करनी होंगी। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में स्वदेशी गौ नस्लों का संरक्षण, संवर्धन एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करना है। जनपद के कुल 28 आवेदक थे जिसमें 50 प्रतिशत महिला रहीं। इस प्रकार 14 महिलाओं एवं 14 पुरुषों को योजना का लाभ दिया गया।

महिला लाभार्थियों में नीलम, अनोखा देवी, संगीता देवी, सुनीता देवी, विजय लक्ष्मी, मधु देवी, पूजा देवी, सीमा, अनुराधा, विजय लक्ष्मी, रीता, सीता देवी, निधि एवं मालती देवी शामिल हैं, जबकि पुरुष लाभार्थियों में नितेन्द्र सिंह, मंजीत सिंह, फूल सिंह, ओम प्रकाश, कुलदीप, धर्मपाल, रामसागर, अशोक कुमार, रामचन्द्र, बृजेंद्र सिंह, शशांक, प्रताप नारायण, अनिल कुमार एवं रामकुमार को लाभ मिलेगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को डीएम की मौजूदगी में लाभार्थियों की चयन प्रक्रिया पूरी की गई। अमृत विचार

- 28 चयनित लाभार्थियों को दो-दो स्वदेशी गाय पर 40 प्रतिशत सब्सिडी
- कुल 195 आवेदन ऑनलाइन मिले, 108 पुरुष, 63 महिला आवेदक

असावधानी का शिकार पटाखों की वजह से किसी का हाथ झुलसा तो किसी का चेहरा जला, बारूद ने पीठ को भी झुलसाया

हैलट अस्पताल के अस्थायी बर्न वार्ड में 34 लोगों की बची जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में 5 साल से बन रही बर्न यूनिट का कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से जले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दीपावली के त्योहार पर मेडिकल कॉलेज प्रशासन को इमरजेंसी में अस्थाई बर्न वार्ड तैयार करना पड़ा, जिसमें 34 लोगों को लाभ मिला।

दीपावली के त्योहार पर लापरवाही और हाथ से पटाखे चलाना किसी खतरे से कम नहीं है। इस बात की जानकारी होने के बाद भी 34 लोगों ने मौज-मस्ती के चक्कर में लापरवाही की, जिसकी वजह से उनको पटाखों की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ा। इनमे से किसी मरीज का हाथ जल गया और किसी का हाथ पटाखे की वजह से काफी झुलस गया। वहीं, कुछ तो अनजाने से पटाखे के पास से गुजरे तो झुलस गए। जबकि पटाखे के पास में खड़े होने की वजह से चिंगारी कपड़े में जाने से वह झुलस गए।

पटाखे से निकले बारूद के कणों से पैर, कमर व पीठ में धंस गए। पटाखों से झुलसे लोगों को परिजनों ने हैलट अस्पताल के भर्ती कराया, जिनमें से वर्तमान में 12 मरीजों का इलाज चल रहा है। हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह ने बताया कि हैलट परिसर में बर्न यूनिट का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हुआ है। बीच में जब प्राचार्य प्रो. संजय काला के साथ निरीक्षण किया गया था तो निर्माण कार्य मानक के तहत नहीं मिला।

दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए इमरजेंसी में ही 10 बेड का अस्थायी बर्न वार्ड तैयार किया गया, जिसमे दीपावाली के त्योहार पर 35 मरीज भर्ती किए गए, जिनमे से वर्तमान में 12 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि अधिकांश को इलाज मुहैया कराने के बाद उनकी छुट्टी कर दी गई। जबकि एक मरीज की मौत हुई।

हैलट अस्पताल के अस्थायी बर्न वार्ड में भर्ती लोग। अमृत विचार

कानपुर देहात युवक की जलकर हुई मौत

- कानपुर देहात के रसूलाबाद निवासी जगरूप (40) मजदूरी करता था। 21 अक्टूबर को जनरेटर में डीजल डालने के दौरान उसके कपड़े गीले हो गए थे, तभी चिंगारी से वह आग की चपेट में आ गया। बताते हैं कि डीजल भरने से पहले वह बीड़ी पी रहा था और फिर उसे पास में ही फेंक दिया था। जलने के बाद लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया था, जहां से हैलट अस्तपाल रेफर कर दिया गया था। गंभीर हालत में भर्ती होने के बाद 22 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई थी।

सिटी ब्रीफ

बिजली नहीं गई, फिर भी 243 शिकायतें

कानपुर। दीपावली में केस्को ने खास तैयार की थी, जिसकी वजह से शहरवासियों को अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। शुक्रवार को केस्को के मुताबिक विद्युत व्यवधान नहीं हुआ, हालांकि 243 शिकायतें जरूर आईं, जिनमे से केस्को अधिकारियों के मुताबिक टीम ने 210 शिकायतों का निस्तारण कर दिया है।

जुहारी देवी कॉलेज में 27 को प्रदर्शनी

कानपुर। जुहारी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज के सभागार में इतिहास विभाग द्वारा 'उत्तर प्रदेश में स्वतन्त्रता आन्दोलन एवं राष्ट्रवाद' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन 27 अक्टूबर को होगा। मुख्य अतिथि के रूप में सीएसजेएमयू के प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ संजय श्री भी शामिल होंगे।

शिवाला में अन्नकूट महोत्सव कल

कानपुर। महाराजा प्रयाग नारायण मंदिर शिवाला में 26 अक्टूबर को अन्नकूट महोत्सव आयोजित होगा। मंदिर के प्रबंधक अभिनव नारायण तिवारी ने बताया कि महोत्सव में प्रभु को 56 तरह के कच्चे-पक्के पकवान अर्पित किए जाएंगे। प्रभु को सब्जियों का भी विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। प्रभु का पूजन दक्षिण भारतीय पारंपरिक शैली में किया जाएगा।

32.4 डिग्री रहा अधिकतम तापमान

कानपुर। शहर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सीएसए विवि के मौसम विभाग के मुताबिक न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड रहा। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि शह में जल्द ही मौसम में परिवर्तन हो सकता है। तापमान में भी परिवर्तन होने की संभावना है।

सरदार पटेल जयंती की रूपरेखा बनाई

कानपुर। भाजयुमो ने भाजपा जिला कार्यालय में सरदार पटेल की जयंती पर होने वाले जन जागरण अभियान एवं युवा सम्मेलन की योजना के संबंध में बैठक की, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, युवा मोर्चा अध्यक्ष शिवांग मिश्रा, उपाध्यक्ष सचिवेंद्र सिंह सेंगर, क्षेत्रीय मंत्री खैमराज शर्मा, अभिमन्यु सक्सेना, सौरभ तिवारी, तरु अग्रवाल, मीनाक्षी गुप्ता, रजत मिश्रा आदि लोग रहे।

अंग्रेजी सीखने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सॉफ्टवेयर हिंदी को अंग्रेजी में बदलकर युवाओं की राह कर रहा आसान

अमृत विचार। राजकीय पॉलीटेक्निक में युवा अंग्रेजी सीखने के लिए सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह सॉफ्टवेयर युवाओं को पाठ्यक्रम पूरा करने में भी सहायता कर रहा है। 280 युवा इस सॉफ्टवेयर के जरिए साक्षात्कार में बेहतर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं।

संस्थान का मानना है कि अंग्रेजी बेहतर होने से युवाओं का साक्षात्कार में बेहतर प्रदर्शन होता है। इसके अलावा उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। ऐसे में युवाओं को एक सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के जरिए व्यक्तिगत विकास किया जा रहा है। खास बात यह है कि इस तकनीक की सहायता से युवाओं को सुविधा प्रदान किए जाने से युवा भी उत्साहित है। संस्थान के 280 युवा ऐसे हैं जो इस सुविधा का लाभ उठाकर अपनी अंग्रेजी को बेहतर कर रहे हैं।

बताया गया कि संस्थान की ओर से उपयोग में लाए जा रहे सॉफ्टवेयर की सहायता से हिंदी से आसानी से अंग्रेजी में बदलाव किया जा सकता है। वॉयस कमांड पर चलने वाला यह सॉफ्टवेयर संस्थान में एक प्राइवेट कंपनी ने उपलब्ध कराया है। युवाओं को मिली सुविधा पर संस्थान के प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र आनंद ने बताया कि संस्थान की ओर से युवाओं को स्किल प्रदान करने के लिए तकनीक को भी अपनाया जाता है। यह उसी का प्रतिफल है।

इरफान ने दीपावली पर सजाया मोहब्बत का मकाम

विशेष संवाददाता, कानपुर

- यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, सांसद रमेश अवस्थी व महापौर प्रमिला पांडेय से की भेंट
- विधायक पत्नी नसीम सोलंकी भी साथ रहीं, सभी से मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं

भाजपा सांसद रमेश अवस्थी के घर पहुंचे इरफान और विधायक पत्नी नसीम सोलंकी।

अमृत विचार। बदलते जमाने के बीच दीपावली के दौरान राजनीति के धुर विरोधी नेताओं का आत्मीय मिलन सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। हर कोई इसके मायने अपनी तरह से निकाल रहा है। सियासी गलियारों में यह चर्चा आम है कि जेल से रिहाई के बाद पूर्व विधायक इरफान सोलंकी काफी बदले नजर आ रहे हैं। अब व ते सरकार और न ही भाजपा के खिलाफ आक्रामक हैं। वह इतना जरूर कहते हैं कि अब उनके घर से दो विधायक होंगे, लेकिन कौन, कहां से लड़ेगा? इसका खुलासा नहीं करते। उनके इस कथन से सपा की राजनीति जरूर गरमा गई है।

यह बात तो तय हो गई है कि सीसामऊ क्षेत्र में सोलंकी परिवार की तगड़ी पैठ है और शायद यही इरफान की सियासी ताकत भी है। वह रहते जाजमऊ में हैं और उनके छावनी इलाके में भी पकड़ है। कुछ नेता सोलंकी के बयान को उनका बड़बोलापन भी बता रहे हैं। वह सपा मुखिया अखिलेश यादव से भी भेंट कर चुके हैं।

इस सबके बीच इरफान अपनी बेगम नसीम के साथ सतीश महाना के घर गए और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। महाना से नसीम के सिर पर हाथ रख आशीर्वाद दिया।

इसी तरह सोलंकी दंपति भाजपा सांसद रमेश अवस्थी, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी से भी मिले और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने उन्हें आशीष दिया और आत्मीयता जताई। मुंह मीठा कराया और खुशी जताई। इसी के साथ सियासी चर्चा गरम हुई। हैरत यह कि सपा और भाजपा नेताओं का यूं मिलना। अमूमन एक-दूसरे से दूरी ही रहती है। एक जमाने में पक्ष-विपक्ष के नेता मिलते-जुलते थे, लेकिन इधर ऐसा कम देखने को मिलता है। सियासी कयास लगाए जा रहे हैं कि वक्त ने इरफान को बदल दिया है। वह सत्ता से अब सीधे टकराव नहीं चाहते। वह फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं कि फिर कोई नया बखेड़ा न खड़ा हो जाए। भाजपा के स्थानीय कद्दावर नेताओं से मिलमिलाप रखना चाहते हैं। इस मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान नसीम सोलंकी ने मौके पर पहुंचकर मेयर प्रमिला पांडेय से कुछ समय की मोहलत मांगी थी, लेकिन उन्होने इंकार कर दिया था। अब मेयर उनसे आत्मीयता से मिलीं। खास बात यह है कि नसीम ने चुनाव जीतने के बाद संयम बनाए रखा। बयानबाजी से किनारा कर जनता के बीच पैठ बना रही हैं।

कांग्रेसियों ने कैंडल जला नेहा के लिए मांगा इंसाफ

कोर्ट परिसर की बहुमंजिली इमारत से कूदकर स्टेनो नेहा संखवार ने दी थी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हाथों में पोस्टर लेकर नेहा के परिवार को इंसाफ और मदद की मांग करते कांग्रेसी। अमृत विचार

- कोतवाली चौराहे के पास एकत्र हुए कांग्रेसियों ने जलाई कैंडल
- हाथों में पोस्टर लेकर इंसाफ और आर्थिक मदद की मांग उठाई

अमृत विचार। कचेहरी परिसर में बहुमंजिली इमारत से कूद कर आत्महत्या करने वाली स्टेनो नेहा संखवार के लिए कानपुर महानगर कांग्रेस ने कैंडल जलाकर शांति की प्रार्थना की और सरकार से इंसाफ के साथ आर्थिक मदद देने की आवाज उठाई। कांग्रेसियों ने नेहा की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की भी मांग की।

महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसी कोतवाली चौराहे के पास एकत्र हुए और हाथों में नेहा के पोस्टर और कैंडल लेकर नेहा शंखवार को न्याय दो, कानपुर की बेटी नेहा को न्याय दो के जोरदार नारे लगाए। पवन गुप्ता ने कहा कि नेहा के पिता गोविंद और मां मनोज के मुताबिक कोर्ट के पेशकार और चपरासी नेहा को लगातार तंग कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने नेहा के पिता की तहरीर को नजरअंदाज कर पेशकार की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की। पिता गोविंद ने बताया कि बेटी को दो-तीन महीने से लगातार मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। कमेंटबाजी, चीजें छुपाना, व्यक्तिगत जानकारी मांगना जैसी हरकतों से नेहा को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। कई बार शिकायत की गई। पिता ने कोर्ट के पेशकार और चपरासी पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि नेहा को न्याय देने के लिए परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए। कांग्रेसियों ने सरकार से पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद करने की मांग की। इस मौके पर मदन मोहन शुक्ला, निजामुद्दीन खां, रितेश यादव, शंकर दत्त मिश्रा, पदम मोहन मिश्रा, आनंद शुक्ला, राकेश साहू, धर्मेंद्र चौहान, बैतूल खां मेवाती, जावेद उस्मानी, हाजी कौसर, दीप पांडेय, मुकेश कन्नौजिया, विनय पांडेय, चंद्र मणि मिश्रा, उमाशंकर तिवारी, तुफैल जामी, मो. अकील, विनोद अवस्थी, डॉक्टर महादेव, रामप्रकाश शर्मा, विजय शाह, राजेश सविता, शिवदत्त मिश्र, शांतनु दीक्षित, अमित मिश्रा, रामप्रकाश तिवारी आदि थे।

शुक्रवार को ग्रीन पार्क में रणजी मुकाबले के लिए नेट पर प्रैक्टिस करते खिलाड़ी। अमृत विचार

यूपी-ओडिशा के बीच होगा मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ग्रीनपार्क स्टेडियम में शुक्रवार को दोनों टीमों ने किया अभ्यास
- पहले मुकाबले की रणनीति में सुधार कर उतरेंगी दोनों टीमें

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में आंध्र प्रदेश से पहला मुकबला ड्रा होने के बाद यूपी शनिवार को ओडिशा के खिलाफ दूसरे रणजी मुकाबले में जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगा। पहले मुकाबले में यूपी ने टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी रिंकू सिंह के नाबाद शतकीय पारी की मदद से बढ़त के आधार पर तीन अंक मिले थे।

दूसरे मुकाबले में आस्ट्रेलिया दौरे पर होने के कारण रिंकू नहीं हैं, इसलिए ओडिशा के खिलाफ टीम को अंतिम एकादश का चयन संभलकर करना होगा। यूपी और ओडिशा के बीच मुकाबला सात नंबर पिच पर खेला जाएगा। बल्लेबाजों की मददगार इस विकेट पर स्पिनर दबाव बना सकते हैं। वहीं पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को भी फायदा मिलने की पूरी उम्मीद है। ऐसे में टॉस की भूमिक भी अहम होगी।

पहले मैच में यूपी टीम के कप्तान करन शर्मा और नए कोच अरविंद कपूर की रणनीति कारगर नहीं साबित हुई थी। सुस्त फील्डिंग और गेंदबाज भी भटके थे। बल्लेबाजों में रिंकू सिंह ने अपने दम पर टीम को बढ़त दिलाई थी। रिंकू के स्थान पर इस बार कुणाल त्यागी को शामिल करने की संभावना है। हालांकि ओडिशा के खिलाफ यूपी की बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों भारी दिख रही है। वहीं कप्तान शुभ्रांशु के नेतृत्व में ओडिशा की टीम ने शुक्रवार को ग्रीनपार्क की काली मिट्टी की पिच पर कड़ा अभ्यास किया। हालांकि यूपी टीम ने भी पसीना बहाया। वहीं ओडिशा की बड़ौदा के खिलाफ बल्लेबाजी कमजोर थी, इसलिए दूसरे मुकाबले में कमियों पर सुधार दिखा सकते हैं। संगठित होकर प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के बीच चार दिवसीय यह मैच शनिवार सुबह 9.30 बजे से खेला जाएगा। जिसमें अपायर की भूमिका शंकर एस और प्रणव एम जोशी निभाएंगे। एस वसंत श्रवण मैच में रेफरी होंगे।

ईपीएफओ के टूर्नामेंट का आगाज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

टूर्नामेंट का शुभारंभ करते केंद्रीय भविष्य निधि के अपर आयुक्त उदय बख्शी।

अमृत विचार। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर की ओर से आयोजित उत्तरी अंचल इंडोर टूर्नामेंट-2025 का रागेन्द्र स्वरूप स्पोर्ट्स अकादमी कानपुर में शुभारंभ किया गया। उद्घाटन के पश्चात पहले दिन टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज एवं बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें उत्तर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उदय बक्शी, अपर केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त (उत्तर प्रदेश) ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। शाहिद इकबाल (क्षेत्रीय आयुक्त-I, कानपुर), कुमार अभिषेक (क्षेत्रीय आयुक्त-II, कानपुर) सहित अनेक अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे खेल आयोजन न केवल कर्मचारियों में टीम भावना और आपसी सहयोग को मजबूत करते हैं, बल्कि खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। शनिवार 25 अक्टूबर को विभिन्न प्रतियोगिताओं के फाइनल मैचों और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ टूर्नामेंट का समापन किया जाएगा।

बरेली के जाट रेजिमेंट में जिले के युवाओं को मिलेगा मौका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल होने का सपना देखने और तैयारी करने वाले युवाओं के लिए 8 से 16 दिसंबर तक बरेली के जाट रेजिमेंट में भर्ती रैली होगी। इस रैली में जनपद के युवाओं को 11 दिसंबर को भी मौका मिलेगा। रैली के तहत हेडक्वार्टर्स कोटा के लिए कई पदों पर भर्ती होगी।

जाट रेजिमेंट सेंटर बरेली में यूनिट हेडक्वार्टर्स कोटा (यूएचक्यू) के तहत सेना भर्ती रैली का आयोजन 8 से 16 दिसंबर तक किया जाएगा। इस भर्ती रैली में अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, ट्रेड्समैन, संगीतकार (यंत्र वादक), खिलाड़ी और लिपिक पदों पर भर्ती की जाएगी। यह भर्ती रैली विशेष रूप से युद्ध विधवाओं के पुत्रों, जाट रेजिमेंट के भूतपूर्व एवं सेवारत सैनिकों के पुत्रों, शहीद और घायल सैनिकों के सगे भाइयों और अन्य रेजिमेंट के भूतपूर्व सैनिकों के परिजनों के लिए आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ी और कानूनी रूप से गोद लिए गए पात्र अभ्यर्थी भी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 4 बजे तक अपने सभी जरूरी प्रमाणपत्रों के साथ जाट रेजिमेंट सेंटर के जाट गेट पर पहुंचना होगा। सुबह 7 बजे के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना भर्ती कार्यालय ने सभी पात्र उम्मीदवारों से समय पर पहुंचने और आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जाट रेजिमेंट सेंटर के भर्ती कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

गोल्डी वार्षिक विक्रेता सम्मेलन की शुरुआत करते प्रबंध निदेशक सुदीप गोयनका।

गोल्डी मसाले ने भेंट कीं उपहार में बाइकें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गोल्डी मसाले का 34वां 'गोल्डी वार्षिक दूज विक्रेता सम्मेलन'

अमृत विचार। शुभम् गोल्डी मसाले प्रालि की ओर से 'गोल्डी वार्षिक दूज विक्रेता सम्मेलन' आयोजित किया गया। प्रयागराज स्थित होटल ग्राण्ड कॉन्टीनेन्टल में हुए आयोजन में विक्रेताओं को उत्पाद के बारे में बताया गया। इस दौरान उपहार में मोटरसाइकिलें वितरित की गई।

शुरुआत कंपनी के प्रबंध निदेशक सुदीप गोयनका ने की। उन्होंने वितरकों और विक्रेताओं को बताया कि विक्रेता सम्मेलन एवं उपहार वितरण समारोह 34 वर्ष से आयोजित कर रहे हैं, जिसका श्रेय प्रयागराज के विक्रेताओं को जाता है। बिक्री महाप्रबन्धक आलोक सेठ ने वर्तमान में चल रही 'सुपर पावर' उपहार योजना की जानकारी भी विस्तृत रूप से दी। उन्होंने बताया कि गोल्डी उद्योग समूह को कई बार केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है।

केन्द्रीय उद्योग मंत्रालय द्वारा गोल्डी को 'सेल्फ इंटरप्रेन्योरशिप एवार्ड' व 'लैब टेस्ट एवार्ड' एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'उद्योगरत्न एवार्ड' प्राप्त हो चुका है। कार्यक्रम में नये उत्पादन के रूप में 'नो अनियन नो आर्लिक' मसालों की एक नई श्रृंखला को भी लांच किया गया। यह भी बताया गया कि कंपनी ने अपनी शाखाओं का विस्तार देश के विभिन्न प्रांतों में किया है। जिसमें प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, बंगाल, उड़ीसा, जम्मू व कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र व गोवा। देश की सीमाओं को लांघते हुए गोल्डी के उत्पाद आस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका, साउथ-ईस्ट व अरब देशों में फैल चुके हैं। बिक्री प्रवन्धक अनिल आर्या ने बताया कि गोल्डी के प्रति ग्राहकों का भरोसा ही हमारी बेहतर क्वालिटी का परिचय है। विक्रेता सम्मेलन के अन्तर्गत प्रयागराज एवं आसपास के तमाम विक्रेताओं भाइयों की उपस्थिति में लकी ड्रा का भी आयोजन किया गया। जिसके तहत बम्पर पुरस्कार के रूप में 5 मोटर साइकिलें, 5 एलईडी सहित कुल 251 पुरस्कार रखे गये थे। कार्यक्रम में स्थानीय वितरक दिनेश केशरवानी, अरविन्द शर्मा, मनोज वर्मा, सुरेश शुक्ला व प्रसन्न कटियार आदि मौजूद रहे।

धर्म-अध्यात्म

विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मोतीझील में श्रीमद्भागवत कथा शुरू, भजनों पर झूमे लोग

धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड का गठन जरूरी : देवकी नंदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली झांकियों पर की गई पुष्पवर्षा

कथा सुनाते देवकी नंदन ठाकुर।

मोतीझील में कथा शुरू होने से पहले कलश यात्रा में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अमृत विचार

अमृत विचार। विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में मोतीझील में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। यात्रा में राधा- कृष्ण के साथ अन्य देवी-देवताओं की झांकियों पर पुष्प वर्षा की। कथा वाचक देवकी नंदन ठाकुर का भी स्वागत किया गया। कलश यात्रा कोकाकोला चौराहा होते हुए कथा पंडाल तक पहुंची।

कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड का गठन अत्यंत आवश्यक है। हम जब भी इस विषय पर चर्चा करते हैं, तो कुछ लोग प्रश्न उठाते हैं कि सनातन बोर्ड की जरूरत क्या है। यदि सनातन बोर्ड आवश्यक नहीं है, तो फिर हम तिरुपति बालाजी के प्रसाद में हो रही मिलावट को क्यों नहीं रोक पाए? जब धर्मस्थलों पर भी प्रशासनिक हस्तक्षेप और कुप्रबंधन देखने को मिलता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि सनातन बोर्ड की स्थापना केवल आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के 16 अक्टूबर के ऐतिहासिक निर्णय में कहा है कि मंदिर का धन सरकार किसी भी अन्य कार्य में प्रयोग नहीं कर सकती, क्योंकि वह धन भगवान का है, जनता की आस्था का प्रतीक है। यह फैसला स्वागत योग्य है। हर सनातनी को अपने धर्म की रक्षा के लिए सजग और संकल्पित रहना चाहिए। आज आवश्यकता केवल भक्ति की नहीं, बल्कि अपने धर्म और संस्कृति की सुरक्षा की भी है। कार्तिक मास का महत्व अत्यंत अद्भुत और कल्याणकारी है। इस मास में प्रत्येक शुभ कार्य असंख्य गुना फल देता है। कार्तिक मास में भगवान श्रीकृष्ण और श्रीहरि विष्णु की विशेष कृपा रहती है। जो व्यक्ति दान, दीपदान, संकीर्तन और सेवा करता है, उसकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यहां विधायक नीलिमा कटियार, अरुणपुरी जी महाराज, शिवप्रकाश गुप्ता, जयमाला सिंह, प्रभाशंकर वर्मा, पूनम पाण्डेय, विपिन बापजेई, डा. यूपी सिंह, राम विनय यादव, सतीश गुप्ता, अजय मिश्रा, अनिल श्रीवास्तव, नीरज वर्मा, रानी अवस्थी, नीलम सेंगर, माया सिंह, श्री भदौरिया, आभा गुप्ता, मीना शुक्ला, किरन तिवारी, अनु सेंगर, चन्द्र प्रभा मौजूद रहीं।

न्यूज ब्रीफ

आज जिले के भ्रमण पर रहेंगे प्रभारी मंत्री

उन्नाव, अमृत विचार। पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन व जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह 25 अक्टूबर को 11 बजे भाजपा कार्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह पर आयोजित अभियान बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद वह निरीक्षण भवन लोक निर्माण विभाग में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से वार्ता करेंगे। विकास भवन में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह के प्रबंधन के संबंध में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। फिर प्रेस वार्ता करने के बाद नवाबगंज में अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक अरुण सिंह की माता जी के निधन पर शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना देने जाएंगे।

पंखे में आ रहे करंट से किशोर झुलसा, रेफर

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। असोहा थानाक्षेत्र के मोहनी खेड़ा गांव निवासी सर्वेश परिवार के साथ शुक्रवार को धान काटने गया था। दोपहर को सभी घर वापस लौटे। तभी घर के बाहर लगा फर्राटा पंखा अचानक उसके 13 वर्षीय बेटे नरेंद्र ने छू लिया। पंखे में आ रहे करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे आनन फानन परिजन एंबुलेंस से नवाबगंज सीएचसी ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दबंगों ने युवक को पीटा मामला दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। सहजनी के बाबा खेड़ा गांव निवासी अंकित रावत ने बताया कि वह गुरुवार शाम छह बजे सब्जी खरीदकर घर लौट रहा था। आरोप है कि निर्मल नगर के पास उसे सहजनी निवासी राज, नीरज, नितेश व फत्तेपुर निवासी विवेक ने रोक लिया और पुरानी खुन्नस को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। शोर सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोजगार मेला 28 अक्टूबर को

उन्नाव। जिला सेवायोजन अधिकारी ने कहा कि डीएसएन महाविद्यालय में 28 अक्टूबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 5 से 7 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। इसमें 18 से 35 आयु वर्ग के कक्षा 10 से स्नातक तक के अभ्यार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। साक्षात्कार के लिये अपने सभी शैक्षिक प्रमाणपत्र जरूर लाये और रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन कराना सुनिश्चित करें।

शिक्षकों के सुझाव से सुधारेंगे जिले की रैंकिंग

उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेश में उन्नाव को अच्छी रैंकिंग मिले इसके लिए जिले के बीईओ के माध्यम से बेसिक स्कूलों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों से 2 से 5 तक सुझाव मांगे गए हैं। ताकि प्रदेश में जिले का नाम रोशन हो सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने कहा कि सुझाव विद्यान्जलि पोर्टल पर दिए जाने चाहिए ताकि शासन स्तर की समीक्षा बैठक में आपके द्वारा दिए गए सुझाव को समाहित किया जा सके।

युवा उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी 1 नवंबर को

उन्नाव, अमृत विचार। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन डीएसएन कॉलेज में 1 नवंबर को होगा। इसमें सांस्कृतिक कार्यकम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जानकारी देते हुए जिला युवा कल्याण अधिकारी ने कहा कि युवा उत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम में समूह नृत्य, समूह गायन, कहानी लेखन, कविता लेखन, भाषण व पेंटिंग (चित्रकारी) आदि विधाओं की प्रतियोगिताएं करायी जायेंगी। इसमें प्रतिभाग करने वाले युवाओं की उम्र 1 सितम्बर 2025 को 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी अनिवार्य है। विज्ञान मेले में युवा वैज्ञानिकों को अपने मॉडल, हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा। सर्वश्रेष्ठ 3 युवा वैज्ञानिकों को पुरस्कृत करते हुए जोन स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिले के इच्छुक कलाकार, प्रतिभागी, युवा वैज्ञानिक शिक्षण संस्थान, संगीत महाविद्यालय, विज्ञान व प्रौद्योगिक शिक्षण संस्थान आदि रजिस्ट्रेशन के लिये किसी भी कार्यदिवस में 31 अक्टूबर तक जिला कार्यालय विकास भवन प्रथम तल कक्ष संख्या-63, 64 में उपस्थित होकर आवेदन पत्र ले सकते हैं या फोन नं-7388055431 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं। इसमें प्रतिभागियों को रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की गई जान

लोडर की टक्कर से महिला की मौत, बेटी व भतीजा गंभीर, मायके से लौटते समय हुआ हादसा

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। भैयादूज पर मायके गई महिला की तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में उसकी बेटी व बाइक चला रहा भतीजा (बहन का बेटा) गंभीर घायल हो गए। जिनका अलग-अलग निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गदनखेड़ा निवासी विमला (42) पत्नी मोतीलाल गुरुवार को भैयादूज पर बेटी संध्या के साथ अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बिचपरी गांव अपने मायके गई थी। जहां से रात होने पर लखनऊ के स्कूटर इंडिया निवासी बहन शिवप्यारी पत्नी मटरू का बेटा दीपक मां-बेटी को छोड़ने जा रहा था। तभी दही थानाक्षेत्र के वर्कशॉप मोड़ पर तेज रफ्तार लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से मां-बेटी व भतीजा गंभीर घायल हो गये। पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं संध्या व दीपक को जिला अस्पताल से रेफर किया गया। दीपक को परिजनों ने लखनऊ व संध्या को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। पत्नी की मौत से पति बेहाल रहा। वहीं मां की मौत से उसके 7 बच्चों में बेटियां नेहा, नगीता, विनीता, सीमा, प्रियांशी व बेटा रूपेश बेहाल हैं। एसओ अवनीश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मूक-बधिर की गई जान

उन्नाव। लखनऊ के बक्शी का तालाब थानाक्षेत्र के कठवारा गांव निवासी रामू सिंह (26) व पुत्र दिलीप मूकबधिर था। वह कई साल से कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित एक फैक्ट्री में श्रमिक था। गुरुवार देरशाम ड्यूटी के बाद दो साथियों के साथ वह बाइक से लौट रहे था। तभी सोहरामऊ थानाक्षेत्र के कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित बजेहरा मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें उसे गंभीर चोटें आ गईं। वहीं उसके साथी भी घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें नवाबगंज सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने रामू को मृत घोषित कर दिया। रामू तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। बड़े भाई शिवम ने बताया कि रामू की शादी अभी 6 माह पूर्व कानपुर निवासी अपूर्व से हुई थी। वह भी मूकबधिर है। इसकी खबर से वह व मां पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया है।

अनियंत्रित स्कूटी डिवाइडर से टकराई, एक की मौत

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व खड़ी स्कूटी। अमृत विचार

नवाबगंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रजवाखेड़ा गांव निवासी शिवम (45) पुत्र प्रेम सिंह थापा शुक्रवार को कानपुर के केडीए निवासी मित्र सोनू पुत्र भीम विश्वकर्मा के साथ स्कूटी से लखनऊ गया था। दोपहर में लौटते समय अजगैन कोतवाली अंतर्गत हाईवे पर चमरौली मोड के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसमें स्कूटी सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गये। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। चिकित्सक ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शिवम पेशे से चालक था। जिसकी 3 वर्ष पहले शांति से शादी हुई थी। उसके एक बेटा अनिरुद्ध है। अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

अब सीसीटीवी से लैस होगा गंगाघाट रेलवे स्टेशन

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ रेल मार्ग स्थित गंगाघाट रेलवे स्टेशन को अब सुरक्षा के तहत सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जा रहा है। स्टेशन परिसर व प्लेट फार्मों पर गतिविधियों की निगरानी के लिए यहां जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। शुक्रवार को कंपनी कर्मचारी स्टेशन पहुंचे और निरीक्षण कर तकनीकी सर्वेक्षण किया।

रेलटेल के माध्यम से स्टेशन पर कुल 8 हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए जाएंगे। इनकी मॉनिटरिंग उन्नाव से कंट्रोल रूम के जरिए की जाएगी। पूरे प्रोजेक्ट के तहत लगभग 1684 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी स्थापना का कार्य चल रहा है, जिसके लिए लगभग 330 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। गंगाघाट से लेकर मानक नगर तक कुल दस स्टेशनों पर कैमरे लगाए जाने हैं, जिनमें कुल 118 कैमरों की स्थापना की जाएगी। इस कार्य का ठेका शुभम कुमार साव की कंपनी को दिया गया है और शनिवार से इंस्टॉलेशन कार्य शुरू हो जाएगा।

जानकारी के अनुसार गंगाघाट स्टेशन पर दो कैमरे कानपुर पुल बायां किनारा बोर्ड के पास, दो कैमरे ऋषि नगर केबिन क्षेत्र में तथा चार कैमरे प्लेटफार्म और मुख्य यात्री क्षेत्र में लगाए जाएंगे। इन कैमरों का मुख्य फोकस ट्रेनों की आवाजाही और प्लेटफार्म की सुरक्षा पर रहेगा। रेलवे की मानें तो कैमरे लगने से सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत होगी, साथ ही इसके जरिए असामाजिक तत्वों पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी।

अलग-अलग स्थानों पर 3 लोगों ने दी जान

उन्नाव, अमृत विचार। अलग-अलग गावों में दो अधेड़ के शव पेड़ पर लटके मिलने से परिजनों में चीख पुकार मच गई। वहीं एक युवक ने पत्नी से विवाद के बाद कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। जिनमें सभी की मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई है।

फंदे से लटका मिला किसान का शव

माखी थानाक्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव निवासी शिव भोला (55) पुत्र स्व. टीका खेती करता था। गुरुवार रात वह गांव के बाहर अपने खेत में खड़ी धान की फसल की रखवाली करने गया था। काफी समय बाद भी उसके न लौटने पर परिजन उसे तलाश करने खेत पहुंचे तो वह वहां नहीं मिला। शुक्रवार सुबह पड़ोसी राजबहादुर अपने खेत गया तो वहां शिव भोला का शव आम के पेड़ में गमछे से लटका देख उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। पति की मौत से पत्नी मंजू सहित बेटे बबलू, रवि करन, शशि करन व विवाहित बेटियां बेहाल हैं।

- घटना के बाद से परिजनों में मचा कोहराम

बकाएदारी से ऊबे अधेड़ ने फांसी लगाई

माखी के रुपऊ गांव निवासी प्रभु दयाल (55) पुत्र ठाकुर प्रसाद खेती करता था। वह जुएं का भी लती था। चर्चा है कि उस पर लोगों का काफी रुपया बकाया था। शुक्रवार सुबह घर से 50 मीटर आगे नीम के पेड़ पर उसका शव रस्सी के फंदे से लटका देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। पति का शव देख पत्नी सुशीला बेहाल हो गई। प्रभु दयाल के तीन बेटों में मनोज, ब्रजेश व दिनेश में दिनेश की उसकी ससुराल में कई साल पूर्व संदिग्ध मौत हो गई थी। बेटे के मौत के मुकदमे की पैरवी प्रभु दयाल कर रहा था। बेटे मनोज ने बताया कि केस का निर्णय भी होने वाला है। लेकिन आत्महत्या करने की वजह परिजन नहीं बता सके। एसओ योगेश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिये गए हैं।

पत्नी से मारपीट के बाद युवक ने की खुदकुशी

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के चमियानी गांव निवासी अमर सिंह (48) पुत्र छोटेलाल दिहाड़ी मजदूर था। गुरुवार को उसके पड़ोसी के यहां जन्मदिन की पार्टी थी। सभी लोग वहां गए थे। खाना खाकर वह लौट आया लेकिन पत्नी पिंकी काफी देर बाद लौटी। इसे लेकर दोनों में कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर पत्नी छत पर चली गई। इसी बीच अमर कमरा बंद कर साड़ी के फंदे से लटक गया। नीचे आई पत्नी ने दरवाजा बंद देख शोर मचाया। इस पर खिड़की तोड़कर उसे नीचे उतारकर सीएचसी लाया गया। जहां जांच के बाद डॉ. आदर्श सचान ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। अमर सिंह शराब का लती था। इससे उसकी पहली पत्नी रेखा उसे छोड़ गई थी। उससे एक बेटा आशीष था। जिसकी परवरिश दादी प्रभु देई ने की। दूसरी पत्नी पिंकी ने भी नशे अक्सर मारपीट करने की बात बताई। पिंकी के चार बच्चों में सोनम, रिंकी, लक्ष्मी व बेटा आयुष हैं। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि अस्पताल के मेमो पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

आज नहाय-खाय से शुरू होगा छठ महापर्व

शुक्लागंज, अमृत विचार। आस्था व लोकपरंपरा का महान पर्व छठ आज नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। घाटों पर पूजा-अर्चना व सूर्योपासना की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। इस बार गंगा में आई बाढ़ के कारण नगर के अधिकांश घाट उबड़-खाबड़ और गंदगी से पटे हुए थे, जिसके मद्देनज़र पालिका प्रशासन ने पिछले दो दिनों से युद्ध स्तर पर सफाई और समतलीकरण का कार्य कराया।

मिश्रा कॉलोनी घाट से लेकर नमामि गंगे घाट तक फैली गंदगी को हटाकर सफाई कर्मियों ने लगातार झाड़ू लगाने के साथ मिट्टी समतल करने का काम किया। शुक्रवार को भी पालिका की टीम घाटों पर सक्रिय रही और चूना छिड़काव के साथ स्थान को स्वच्छ व सुरक्षित बनाया गया। ईओ ने बताया कि गंगा विशुन घाट से लेकर नमामि गंगे घाट तक रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। मैथिल नव चेतना समिति के अध्यक्ष सुनील झां ने बताया कि पूर्वांचल के इस प्रमुख पर्व में पहले दिन गंगा स्नान के बाद सात्विक भोजन के रूप में लौकी-चना दाल और चावल का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है।

छठ पर्व के अनुष्ठान

25 अक्टूबर	नहाय-खाय
26 अक्टूबर	खरना (छोटी छठ)
27 अक्टूबर	संध्या अर्घ्य (अस्त सूर्य को अर्घ्य)
28 अक्टूबर	उदयाचल सूर्य को अर्घ्य व पारण

छात्र संख्या कम मिलने पर नाराज हुई बीएसए मांगा स्पष्टीकरण

उन्नाव, अमृत विचार। बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने शुक्रवार को बिछिया ब्लाक के पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय टीकर गढ़ी व उच्च प्राथमिक विद्यालय टीकर गढ़ी का निरीक्षण किया तो उन्हें वहां छात्रों की संख्या बहुत कम मिली। साथ ही विद्यालय में साफ सफाई भी नहीं मिली। यहां तक उच्च प्राथमिक विद्यालय में केवल चार छात्र ही दिखे। शिक्षकों की उपस्थिति तो शत-प्रतिशत थी मगर छात्रों की संख्या न होने से नाराज बीएसए ने सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है। बता दें कि सांसद साक्षी महाराज द्वारा ग्राम पंचायत टीकर गढ़ी को गोद लिया गया था। जिससे ग्रामीणों ने उस समय खुशी जताई थी। उन्हें उम्मीद थी कि अब उनकी ग्राम पंचायत का विकास होगा। वहीं, पूर्व में उच्च प्राथमिक विद्यालय में विवाद के चलते तीन शिक्षक-शिक्षिकाओं को निलंबित कर अन्य विद्यालय से दो शिक्षकों को सम्बद्ध कर शिक्षण कार्य कराया जा रहा है।

महिला वार्ड में गंदी बेड शीट देख सीएमओ खफा

संवाददाता, नवाबगंज, उन्नाव

सीएचसी का निरीक्षण करते सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश। अमृत विचार

अमृत विचार। हाईवे स्थित सीएचसी पर अचानक सीएमओ के पहुंचने से कर्मियों में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने ओपीडी, इमरजेंसी, महिला वार्ड आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, रखरखाव, वार्ड की पुताई आदि के बारे में निर्देश दिये। उनके साथ एनएचएम के टेक्निकल पार्टनर कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब प्रतिनिधि बीरल शाह, सत्य प्रकाश शुक्ला, कृष्णा सिंह भी मौजूद रहे।

कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार दोपहर अचानक सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश पहुंचे तो कर्मियों में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने ओपीडी व इमर्जेंसी वार्ड का निरीक्षण कर मरीज को स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश दिये। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों के तीमारदारों से इलाज संबंधी जानकारी ली। इसके बाद एसीएमओ डॉ. हरि नन्दन प्रसाद के साथ उन्होंने महिला वार्ड का निरीक्षण किया। जहां मौजूद स्टाफ नर्स से इस माह सीएचसी में प्रसव के लिए भर्ती हुई महिला मरीजों, प्रसव, डिस्चार्ज मरीजों आदि की जानकारी ली।

महिला वार्ड में गंदे बेडशीट देख नाराजगी जताई। मौजूद बीपीएम मलखान सिंह को वार्ड की दीवारों का रंग रोगन कराने व अन्य व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिये। इस दौरान डॉ. अखिलेश विक्रम, डॉ. शैलेन्द्र अस्थाना, डॉ. जितेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार, विजय कुमार, स्टाफ नर्स दीपशिखा, कीर्ति आदि मौजूद रहे।

सपा और कांग्रेस ने एक्स पर किया पोस्ट

वायरल वीडियो पर सियासत गर्म

- जनप्रतिनिधि से परेशान युवक ने खुद पर छिड़का था ज्वलनशील पदार्थ

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला श्रीनगर निवासी एक युवक द्वारा खुद पर पेट्रोल छिड़ककर वीडियो रिकॉर्ड करने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। गुरुवार को वायरल हुए वीडियो का समाजवादी पार्टी मीडिया सेल ने संज्ञान लेते हुए अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया है। साथ ही भाजपा नेतृत्व व प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए पोस्ट में किशोर की पीड़ा को शासन में पीड़ितों की अनदेखी का परिणाम बताया।

वीडियो में युवक ने भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के एक जन प्रतिनिधि व उनके समर्थकों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सपा मीडिया सेल की ओर से किए गए पोस्ट में कहा गया कि भाजपा नेता से परेशान होकर युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। आरोप यह भी लगाया गया कि भाजपा सरकार में पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं होती। उल्टे उन्हें ही दबाव में रखा जाता है। सपा ने इसे उत्तर प्रदेश में पीड़ितों की बढ़ती संख्या का उदाहरण कहा है। मामले पर कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार को घेरा। पार्टी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि भगवंतनगर क्षेत्र के भाजपा नेता पर गंभीर आरोप लगे हैं और युवक व उसके परिवार को कथित रूप से लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि मानसिक व सामाजिक उत्पीड़न से त्रस्त होकर युवक ने आत्मदाह जैसा कदम उठाने की कोशिश की। जो सीधे सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण है। पोस्ट में यह भी कहा गया कि जनता जब खुद अपने जन प्रतिनिधियों से भयभीत होने लगे तो न्याय की आस कहां से करे। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल राजनीतिक दलों के एक्स पोस्ट की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

अनदेखी | आस्था पर उठ रहे सवाल

त्योहार बाद कूड़े में फेंकी जा रहीं प्रतिमाएं

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

नवीन पुल की रेलिंग पर पड़ीं लक्ष्मी गणेश की मूर्तियां। अमृत विचार

अमृत विचार। दीपावली का पर्व हर वर्ष श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया जाता है। लोग विधिविधान से लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर समृद्धि व सुख-शांति की कामना करते हैं। लेकिन त्योहार समाप्त होते ही प्रतिमाओं के प्रति आस्था का वही भाव कम होता दिखाई देता है। नगर में जगह-जगह कूड़े के ढेरों पर पड़ी देवी-देवताओं की मूर्तियां आस्था के अपमान का प्रतीक बनती जा रही हैं।

नवीन पुल, सड़क किनारों, गंगा रेती और पेड़ों के पास त्याग दी गई प्रतिमाएं यह संकेत देती हैं कि भक्ति भाव केवल त्योहारों तक ही सीमित हो गया है। यह स्थिति न केवल धार्मिक परंपराओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक सोच पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। नवरात्रि, दीपावली, कृष्ण जन्माष्टमी जैसे त्योहारों में घरों में सम्मान से स्थापित की जाने वाली प्रतिमाएं कुछ ही दिनों बाद कचरे में पड़ी मिलती हैं, जिन पर जानवरों का विचरण तक देखा जाता है। राहगीरों का कहना है कि यदि प्रतिमाएं पूजित हैं तो उनका त्याग भी मर्यादा के साथ होना चाहिए। इस कुप्रथा का एक बड़ा कारण हर साल नई प्रतिमाएं खरीदने की प्रवृत्ति है। पुराने को सम्मानजनक विसर्जन या पुनर्स्थापन के बजाय कचरे में फेंक देना धार्मिक आचार-विचार के विपरीत है।

पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने ऐसी प्रतिमाएं एकत्र कर पूजन वाहन के माध्यम से भू-विसर्जन कराने का आश्वासन दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब लोग स्वयं जागरूक होकर पूजा उपरांत प्रतिमाओं का सम्मानजनक विसर्जन सुनिश्चित करें।

सिटी डायरी

बच्चे की आंख की जांच करते नेत्र चिकित्सक।

दीपावली के बाद बढ़ा प्रदूषण, आखों में जलन व संक्रमण से बढ़े मरीज

शुक्लागंज। दीपावली के दौरान हुई आतिशबाजी का असर अब लोगों की सेहत पर दिखने लगा है। पटाखों से निकले धुएं व हवा में घुले बारीक कणों के कारण नगर की आवोहवा प्रदूषित हो गई है। इसके चलते बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कई लोगों की आखों में जलन, लालिमा व पानी आने की शिकायतें बढ़ गई हैं। नगर के सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी नेत्र चिकित्सकों के पास इन दिनों आंखों से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नेत्र चिकित्सक डॉ. मनीष सिंह ने कहा कि दीपावली के बाद धुएं व नमी भरे मौसम के कारण कंजक्टिवाइटिस (आखों का संक्रमण) तेजी से फैल रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि बाहर निकलते समय आंखों को धूल-धुएं से बचाने के लिए चश्मे का प्रयोग करें और जरूरत से ज्यादा आंखों को मलें नहीं।

फोरलेन जाम में फंसे वाहन सवार।

ई-रिक्शा व टेंपो चालकों की मनमानी से फोरलेन एक घंटे जाम

शुक्लागंज। पोनी रोड तिराहे के पास ई-रिक्शा व टेंपो चालकों की मनमानी शुक्रवार को जाम का कारण बनी। आड़े-तिरछे खड़े ई-रिक्शों व टेंपो के कारण दोपहर 12 बजे फोरलेन पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। बेमानक पार्किंग व सवारियां बैठाने की जल्दी ने हालात और बिगाड़ दिया। नतीजतन पोनी रोड से दुर्गा मंदिर के आगे तक छोटे-बड़े वाहनों की कतार लग गई। जिससे राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बालूघाट पर टेंपो अड्डा बनाए जाने के बावजूद चालक पोनी रोड तिराहे पर ही सवारी भरने की पुरानी आदत से बाज नहीं आ रहे हैं। जाम के दौरान मौके पर पुलिस पिकेट पूरी तरह नदारद रही।

बम भोले के जयकारों के साथ रवाना होता जत्था।

शिवभक्तों का जत्था रवाना

शुक्लागंज। श्रीअमरनाथ सेवा मंडल द्वारा शुक्रवार शाम 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा के लिए शिवभक्तों का जत्था श्रद्धा व उत्साह के बीच रवाना किया गया। राजधानी मार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल के पास मंडल पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर यात्रियों को शुभकामनाओं सहित विदा किया। यात्रा में शामिल करीब 65 शिवभक्त वावा के जयघोष के साथ बस में सवार हुए। यात्रा का शुभारंभ लाला मुरारी के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर मंडल के नितिन शर्मा, महेंद्र कुशवाहा, सचिन ओमर, रामबाबू, संतोष शर्मा, अवनीश शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छठ को लेकर एडीएम व सिटी मजिस्ट्रेट ने घाटों का किया निरीक्षण

घाट का निरीक्षण करते एडीएम व सिटी मजिस्ट्रेट। अमृत विचार

शुक्लागंज। छठ पर्व का शुभारंभ शनिवार से नहाय-खाय के साथ हो रहा है। पर्व को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार दोपहर एडीएम सुशील कुमार, एडीएम नमामि गंगे विद्येश, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी व सिंचाई विभाग के एक्सईएन गगन ने मातहतों के साथ शुक्लागंज स्थित विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रीक्षण के दौरान एडीएम ने कहा कि छठ पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने घाटों पर जगह-जगह फोर्स की तैनाती करने व भीड़ नियंत्रण के लिए चौपहिया वाहनों को घाटों से दूर खड़ा कराने के निर्देश दिए।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–विवेकानंद, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25 अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने सामने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।
-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।
-फारूक अब्दुल्ला
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वाहन किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी
लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

संस्मरण

चाय

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की ओर से देय होता है। वेबसाइट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है। ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिकी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

• विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

• विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं।

डॉलर को छोड़कर अन्य मुद्राओं का मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके विनिमय दर से तय होता है। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत की स्थिति इस समय काफी मजबूत है।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय एवं अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया और 85.9 करोड़ डॉलर के 12 सौदे हुए, जबकि इससे पिछली तिमाही में कुल 58 करोड़ डॉलर मूल्य के सात सौदे हुए थे।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 58 प्रतिशत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की। सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर माह के 'एरियर' (बकाया) का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

• गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग: मोदी

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में असली दिवाली 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राजद और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने लालू यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा। कहा, राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा, सीवान की जनता को सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी।

मोदी बताएं, 65% आरक्षण का प्रावधान नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले शुक्रवार को कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्पूरी ठाकुर जी के गांव जा रहे हैं। उनके लिए तीन सीधे सवाल हैं। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी। क्या यह सही नहीं है कि आपकी पार्टी के वैचारिक पूर्वज जनसंघ और आरएसएस ने उनकी आरक्षण नीति का खुलकर विरोध किया था। क्या उस समय जनसंघ-आरएसएस ने सड़कों पर कर्पूरी ठाकुर जी के खिलाफ अपमानजनक और घृणा से भरे नारे नहीं लगाए थे क्या उस दौर में जनसंघ-आरएसएस खेमे के प्रमुख नेताओं ने कर्पूरी ठाकुर सरकार को अस्थिर करने और गिराने में अहम भूमिका नहीं निभाई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री आज उस ऐतिहासिक गलती के लिए अपने वैचारिक पूर्वजों - जनसंघ और आरएसएस की ओर से माफी मांगेंगे।

भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री: तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बिहार चला रहे हैं।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर: आयोग

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के वर्ष 2026 में होने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास हाईकोर्ट को दी।

आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए पूरे देश में वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। यह जानकारी हाईकोर्ट में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर में द्रमुक के लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

• हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता हैं।

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

• रेवा विश्वविद्यालय दिव्यश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

बेंगलुरु। दिव्यश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीवन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के लिए ऐसे मंचों के महत्व पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों की जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इंफ्लेक्शन चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीआई टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच आज से शुरू होगी

लेह/जम्मू। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों की न्यायिक जांच शनिवार से शुरू होगी और उस दौरान पीड़ितों को जांच पैनल के सदस्यों के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। केंद्र ने लेह में हुई हिंसक झड़पों की उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराए जाने की 17 अक्टूबर को घोषणा की थी। यह लद्दाख के प्रदर्शनकारी समूहों की एक प्रमुख मांग थी। लेह में हुई इस झड़प में 1999 के करगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की जान चली गई थी। विधि एवं न्याय विभाग के सलाहकार कुरैशी तारिक महमूद द्वारा शुक्रवार को जारी एक आदेश में कहा गया, लेह शहर में हुई 24 सितंबर की घटना की न्यायिक जांच 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक लेह के मेलॉन्गथंग स्थित वैकल्पिक विवाद निवारण केंद्र में होगी।

पुलिसकर्मी ने किया बलात्कार, हाथ पर सुसाइड नोट लिख सरकारी डॉक्टर ने की आत्महत्या

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर बलात्कार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना का संज्ञान लेते हुए सतारा के एसपी तुषार दोशी से फोन पर बात की और आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल बर्खास्त करने का आदेश दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले से ताल्लुक रखने वाली 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के एक सरकारी अस्पताल में काम करती थीं। महिला चिकित्सक का शव बृहस्पतिवार देर रात फलटण में एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पिछले पांच महीनों में सतारा के एक पुलिस उपनिरीक्षक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में महिला चिकित्सक ने लिखा है कि उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

भारत की गर्जना...

अहमदाबाद। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है। हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा। अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी।

भारत के समक्ष मुश्किलें

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है। भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे। इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा। कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया। 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया। जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया। घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई। इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

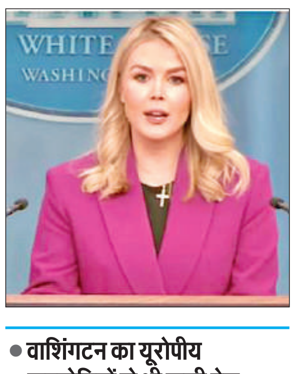

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली। दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं। सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए। सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है। जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है। जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था।

दक्षिण कोरिया में ट्रंप और जिनपिंग की होगी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी

- टैरिफ वार को देखते हुए दोनों की मुलाकात मानी जा रही महत्वपूर्ण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते एशिया यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन (एपेक) में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया रवाना होंगे, जहां वह इस सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह मुलाकात ऐसे समय में होने वाली है जब दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते ही नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इधर चीन ने भी दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने हालांकि कुछ हफ़्ते पहले कहा था कि वह एपेक शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग से मिलेंगे, लेकिन उन्होंने सटीक तारीख के बारे में नहीं बताया था।

दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों पर चीन के प्रतिबंधों को लेकर उनके मुलाकात के रद्द होने की संभावना भी जताई जा रही थी।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था। मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरु नहीं कर सकते हैं। उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

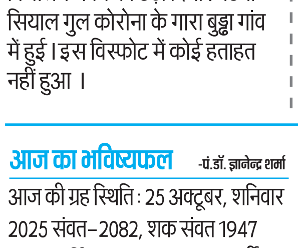

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें। खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए। अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी। विवादों को सुलझा सकते हैं। घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें। अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण अनुशासित रहेगा।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें। उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें। आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे। उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी। आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है। फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें। भविष्य की योजना न बनाएं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं। भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है। आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए। लोग आपको धोखा दे सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें। सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जा0एंगे। आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा। प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी। परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी। पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है। अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे। बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं। व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें।

सुडोकू -140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

“एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या श्रृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की श्रृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शारदुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शारदुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे श्रृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे श्रृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान श्रृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्रष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह

मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।